लखनऊ

सोमवार, 14 अक्टूबर, 2024

वर्ष : 10 | अंक: 93

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

अपने मिशन में सफल होने के लिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति एक चित भाव से समर्पित होना पड़ेगा ।

TODAY WEATHER

DAY 33° Hi

NIGHT 27° Low

संक्षेप

गाजा पर इजराइल ने बरसाया बम, एयर स्ट्राइक में 29 फिलिस्तीनी डॉक्टरों की मौत

यरुशलम। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच इजराइल ने एक बार फिर गाजा पर कहर बरपा दिया। चिकित्सकों ने शनिवार को कहा कि रात भर गाजा पर इजराइली सैन्य हमलों में कम से कम 29 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। अंतरराष्ट्रीय राहत एजेंसियों का कहना है कि जबालिया में हजारों लोग फंसे हुए हैं। लोगों ने कहा कि इजराइली सेना ने जबालिया पर हवाई और जमीन से हमला जारी रखा है, जो एन्क्लेव के उत्तर में है और इसके ऐतिहासिक शरणार्थी शिविरों में सबसे बड़ा है। इजराइली सेना ने शनिवार को गाजा शहर के उत्तरी किनारे पर नए निकासी आदेश पारित किए, जो कि एन्क्लेव के उत्तर में भी स्थित है। सेना ने कहा कि यह इलाका एक खतरनाक युद्ध क्षेत्र है। एक बयान में, गाजा के हमास द्वारा संचालित आंतरिक मंत्रालय ने निवासियों से अपील किया कि वो एन्क्लेव के उत्तरी क्षेत्रों में न जाएं और साथ ही दक्षिण की ओर जाने से बचें, जहां हर इजराइल हर दिन बमबारी कर रहा है। इजराइली सेना ने कहा कि वह हमास के लड़ाकों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है जो नागरिक इमारतों का उपयोग कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में कमल अदवान अस्पताल सहित क्षेत्रों को खाली करने के स्पष्ट निर्देश जारी किए गए थे। इसमें कहा गया है कि मरीजों को अस्पताल से गाजा सिटी ले जाने के लिए एक निकासी काफिला शनिवार को सुविधा के लिए ईंधन की आपूर्ति के साथ पहुंचा था। हाल के दिनों में सेना ने कहा था कि जबालिया और आसपास के इलाकों में सक्रिय बलों ने दर्जनों आतंकवादियों को मार गिराया, हथियार ढूंढे और सैन्य बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया।

क्या तबाह हो जाएगा ईरान का न्यूक्लियर प्लांट? इजराइल बना रहा खतरनाक प्लान

यरुशलम। ईरानS के भीषण हमले के बाद के बाद अब इजराइल ने पलटवार किया है। इजराइल की ओर से यह पलटवार ऐसा हुआ है जिसमें किसी भी हथियार का इस्तेमाल नहीं हुआ है, लेकिन हमला ऐसा था कि तेहरान में हलचल मच गई है। दावा किया जा रहा है कि इजराइल की ओर से इस बार ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों पर साइबर अटैक किया गया है। इसके बाद कुछ जानकारियां भी चुरा ली गई हैं। साइबर अटैक के बाद ईरानी सेना की नींद उड़ी हुई है। ईरान के सुप्रीम काउंसिल ऑफ साइबर स्पेस के पूर्व सचिव फिरोजाबादी ने कहा है कि साइबर अटैक की जद में ईरानी की तीनों सेनाएं हैं। दावा किया जा रहा है कि साइबर अटैक की चपेट में ईरान का न्यूक्लियर पावर प्लांट, ईंधन वितरण सिस्टम और बंदरगाह परिवहन नेटवर्क भी आया है। इसके बाद अब सवाल उठ रहे है कि इजराइल बिना कोई जंग लड़े ईरान के न्यूक्लियर प्लांट को तबाह करने की ठान चुका है? मौजूदा समय में मिडिल ईस्ट से जो संकेत आ रहे हैं वो दुनिया के लिए ठीक नहीं हैं। ईरान और इजराइल के बीच जिस तरह से तनाव बढ़ रहे हैं उसकी चपेट में पूरी दुनिया आ सकती है क्योंकि ईरान पर हमले का प्लान तैयार हो चुका है। इस बीच इजराइल ने ईरान पर बड़ा साइबर अटैक किया है। इतना ही नहीं लेबनान पर भी लगातार हमले जारी हैं।

पीएम गतिशक्ति के तीन साल पूरे

भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली परिवर्तनकारी पहल: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान (पीएमजीएस-एनएमपी) को तीन साल पूरे हो गए। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह प्लान भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांतिकारी बदलाव लाने के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में उभरा है। बता दें, प्रधानमंत्री ने 13 अक्टूबर 2021 को पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों को मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना था।

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को अपने 'एक्स' पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, 'पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांति लाने के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में उभरा है। इसने मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में तेज और अधिक प्रभावी विकास हुआ है।' उन्होंने आगे कहा, 'विभिन्न हितधारकों के निर्बाध एकीकरण से लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा मिला है, देरी कम हुई है और कई लोगों के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं।'

एक अन्य पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, 'गतिशक्ति की बदौलत भारत विकसित भारत के हमारे विज़न को पूरा करने के लिए गति बढ़ा रहा है। यह प्रगति, उद्यमशीलता और नवाचार को प्रोत्साहित करेगा।'

मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को भी टैग किया। गोयल ने इस पहल के तीन साल पूरे होने पर इसकी सराहना की। गोयल ने कहा, 'आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान शुरू किए तीन साल पूरे हो गए हैं। लॉजिस्टिक्स को सुव्यवस्थित करने और कनेक्टिविटी को आगे बढ़ाकर, यह अग्रणी पहल तेजी से और अधिक कुशल परियोजना कार्यान्वयन सुनिश्चित करती है।' उन्होंने कहा कि यह एक आधुनिक, परस्पर जुड़े बुनियादी ढांचे के नेटवर्क को विकसित करने, विकसित भारत के निर्माण के दृष्टिकोण को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

लोकतंत्र पर धब्बा, लद्दाख भवन के बाहर प्रदर्शन कर रहे लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया, वांगचुक भड़के

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने रविवार को यहां लद्दाख भवन के बाहर केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के नेतृत्व में छह अक्टूबर से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कर रहे करीब 20 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। एक प्रदर्शनकारी ने बताया कि हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों को मंदिर मार्ग पुलिस थाना ले जाया गया है। पुलिस ने इससे पहले कहा था कि हिरासत में लिए गए लोगों में सोनम वांगचुक भी शामिल है लेकिन बाद में नयी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि हिरासत में लिए गए लोगों में जलवायु कार्यकर्ता शामिल नहीं हैं।

जयप्रकाश नारायण की जयंती पर भाजपा सरकार का आचरण न केवल अलोकतांत्रिक रहा अपितु इतिहास का एक काला अध्याय भी बन गया : अखिलेश यादव

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। 11 अक्टूबर को लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर भाजपा सरकार का आचरण न केवल अलोकतांत्रिक रहा अपितु इतिहास का एक काला अध्याय भी बन गया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के साथ भाजपा नेतृत्व के इशारे पर जो व्यवहार किया गया वह कतई संविधान सम्मत नहीं हो सकता। लोकनायक की जयंती की अवमानना भाजपा को भारी पड़ेगी। सच तो यह है कि भाजपा न तो स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों का सम्मान करती है और नहीं लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास रखती है। भाजपा लोकसभा चुनावों के बाद से ही घबड़ाई और बौखलाई हुई है। विवकेशून्य जैसा व्यवहार कर वह महापुरूषों का भी अपमान करने में कोई संकोच नहीं करती है। भाजपा का यह विद्वेष भाव उसे ही ले डूबेगा।

जयप्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र का राजधानी लखनऊ में निर्माण समाजवादी सरकार ने किया था। यह केन्द्र अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर बना है। यह सबसे ऊंची बिल्डिंग है जिसमें एक बड़ा कांफ्रेंस हाल, 200 कमरे, 12 सौ की पार्किंग, स्विमिंग पूल, कैफे भी है। इसकी छत पर हेलीपैड है जहां हेलीकाप्टर उतर सकते हैं। जेपीएनआईसी की विशेषता यहां का समाजवादी संग्रहालय है जहां लोकनायक की स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका प्रदर्शित है। इस भव्य जेपीएनआई में जयप्रकाश जी की आदमकद प्रतिमा है जहां उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की जाती है। जिस जेपीएनआईसी बिल्डिंग और लोकनायक जयप्रकाश नारायण जैसे महापुरुष पर देश-दुनिया को गर्व है उस महापुरुष की स्मृति में बनी बिल्डिंग भाजपा की आंखों में क्यों अखरती है? विगत वर्ष भी अखिलेश यादव को यहां जयप्रकाश नारायण जी की मूर्ति पर माल्यार्पण करने जाने से रोका गया था।

इस बार अखिलेश यादव ने महानवमी और विजयदशमी पर्व की पवित्रता और गंभीरता को देखते हुए प्रतिरोध की जगह संयम का प्रदर्शन किया और घर के बाहर ही लोकनायक जयप्रकाश नारायण की एक मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये। समाजवादी कार्यकर्ता हमेशा अन्याय के विरूद्ध संघर्ष के लिए तैयार रहता है। जेपी की जयंती के अवसर पर उनकी मूर्ति पर पुष्पांजलि की अनुमति न देना अलोकतांत्रिक कृत्य है। समाजवादी अन्याय और इस तरह की कार्यवाहियों के विरूद्ध संघर्ष के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। भाजपा सरकार के उकसाने की कार्रवाई से हर तरफ उनकी ही थू-थू हो रही है।

महाकुंभ मेला क्षेत्र में होगी 'नेत्र कुंभ' की स्थापना, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए योगी सरकार की पहल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। योगी सरकार प्रयागराज में होने जा रहे ऐतिहासिक महाकुंभ 2025 को भव्य, दिव्य, सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए दिन रात काम कर रही है। महाकुंभ में श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। इसी क्रम में मेला प्रशासन द्वारा महाकुंभ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं एवं स्नानार्थियों के लिए नेत्र कुंभ की स्थापना भी की जा रही है। 9 करोड़ से अधिक धनराशि से स्थापित होने वाला यह नेत्र कुंभ (नेत्र शिविर) श्रद्धालुओं को एक अस्थाई नेत्र देखभाल सुविधा प्रदान करेगा, जहां मेले के दौरान श्रद्धालुओं की दृष्टि सुधार, मोतियाबिंद सर्जरी और चश्मे का वितरण जैसी सेवाएं प्रदान की

जाएंगी। नेत्र कुंभ के लिए एक बड़ी केंद्रीय इकाई मुख्य मेला क्षेत्र में स्थापित की जाएगी जो प्राथमिक नेत्र देखभाल केंद्र के रूप में कार्य करेगी।

नेत्र स्वास्थ्य और नियमित जांच के प्रति किया जाएगा शिक्षित

यह नेत्र कुंभ पूरी तरह श्रद्धालुओं की पहुंच में होंगे। तीर्थयात्रियों की आसान पहुंच के लिए इसे रणनीतिक रूप से कुंभ मेला परिसर के अंदर ही स्थापित किया जाएगा। इस नेत्र कुंभ में तीर्थयात्रियों और संतों की व्यापक स्तर पर आंखों की जांच सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए शिविर में नेत्र परीक्षण के लिए आवश्यक आधुनिक उपकरणों को लगाया जाएगा। जांच के दौरान दृष्टि दोष वाले व्यक्तियों को चश्मा वितरित किया जाएगा, जबकि जिन मामलों में अधिक गंभीर समस्या पाई जाएगी वहां भागीदार अस्पतालों में मोतियाबिंद सर्जरी और अन्य आवश्यक उपचार की व्यवस्था की जाएगी। नेत्र देखभाल सेवाओं के साथ-साथ पहल का उद्देश्य लोगों को नेत्र स्वास्थ्य और नियमित जांच के महत्व को समझाना और उन्हें शिक्षित करना है।

हजारों श्रद्धालुओं को मिलेगा लाभ

महाकुंभ 2025 में रिकॉर्ड संख्या में पूरे देश और दुनिया से श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। योगी सरकार और मेला प्रशासन इन श्रद्धालुओं के लिए महाकुंभ को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए अपनी ओर से शत प्रतिशत प्रयास कर रहा है। नेत्र कुंभ की स्थापना उसी दिशा में उठाया गया कदम है। इसके लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में 9 .15 करोड़ रुपए से अधिक का बजट प्रस्तावित किया गया है। इसके माध्यम से महाकुंभ के दौरान स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की नेत्र देखभाल सुरक्षित की जा सकेगी। यदि किसी श्रद्धालु को मोतियाबिंद सर्जरी की आवश्यकता होगी तो उसका भी प्रबंध किया जाएगा।

डिजिटली सुरक्षित रखा जाएगा रोगियों का डाटा

कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं और स्नानार्थियों की जांच के माध्यम से एकत्र किए गए नेत्र स्वास्थ्य डाटा को डिजिटली सेव किया जाएगा। इससे रोगियों की स्थिति पर नजर रखने और आवश्यकता पड़ने पर इसका फॉलोअप किया जा सकेगा और आवश्यक देखभाल प्रदान करने में मदद मिलेगी। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

गुरनाम चढूनी का हुड्डा पर तंज : 10 साल में नहीं निभा पाए नेता प्रतिपक्ष की भूमिका, रूठों को नहीं मनाया

कुरुक्षेत्र (हरियाणा)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा को इस बार कांग्रेस पार्टी की ओर से नेता प्रतिपक्ष नहीं बनाया जाना चाहिए, क्योंकि वे पिछले 10 साल के दौरान यह भूमिका सही रूप से नहीं निभा पाए। ये आरोप भाकियू अध्यक्ष एवं संयुक्त संघर्ष पार्टी के प्रमुख गुरनाम सिंह चढूनी ने लगाए।

एक एजेंसी से बातचीत में उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने इस चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा पर पूरी जिम्मेदारी छोड़ दी थी, लेकिन प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में माहौल नहीं बन पाया। कांग्रेस के पक्ष में जो माहौल बना वह किसानों ने ही बनाया था। इसके बावजूद हुड्डा ने किसानों को कोई तव्वजो नहीं दी। उन्हें ही नहीं किसी अन्य किसान को भी कहीं से टिकट नहीं दी।

जबकि भाजपा किसानों के विरोध में पहले से ही रही है। ऐसे में किसान कहां जाए। यही कारण रहा कि वे चुनाव में उतरे तो वहीं हर्ष छिक्कारा व रमेश दलाल भी उतरे। चढूनी ने आरोप लगाए कि हुड्डा ने किसी से समझौता नहीं होने दिया और ऐसी मनमानी के परिणाम सामने है। अब कांग्रेस को ऐसे किसी नेता को प्रतिपक्ष नेता के रूप में चुनना चाहिए, जो लड़ाई लड़ सके।

हुड्डा पर फोड़ा हार का ठीकरा

चढूनी ने हार का ठीकरा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा पर फोड़ा है। उन्होंने बातचीत में कहा कि हुड्डा ने न केवल कांग्रेस व आप बल्कि किसानों को भी इस स्थिति में ला खड़ा किया है, जिसके पीछे उसकी मनमानी रही है। किसान एक सीट मांग रहे थे, जो नहीं दी। आप के साथ भी समझौता नहीं होने दिया बल्कि पहले का समझौता भी तुड़वा दिया। कांग्रेस के प्रत्याशी भी मनमानी से ही उतरवाए तो रूठों को मनाया तक नहीं।

'मैं उन्हें कभी मुस्कुराते नहीं देख पाऊंगा,' रतन टाटा के निधन के बाद शांतनु नायडू ने की भावुक पोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा के निधन से पूरा देश शोक में है। उनके निधन के तीन दिन बाद उनके भरोसेमंद सहयोगी शांतनु नायडू ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट लिखी है, उन्होंने लिखा है कि उनके लिए यह स्वीकार करना कितना मुश्किल रहा है कि वे रतन टाटा को फिर कभी मुस्कुराते हुए नहीं देख पाएंगे। रतन टाटा का बुधवार देर रात 86 साल की उम्र में निधन हो गया था। उनके निधन से पूरा देश स्तब्ध और दुखी है। शांतनु नायडू रतन टाटा के सबसे करीबी दोस्त रहे हैं। साथ ही वह टाटा ट्रस्ट के सबसे युवा मैनेजर भी हैं। नायडू 2014 में पहली बार रतन टाटा से मिले, उन लोगों को भी धन्यवाद दिया जिन्होंने पिछले तीन दिनों में उन्हें शोक संदेश भेजे थे। इंस्टाग्राम पोस्ट में मुंबई के एक पुलिसकर्मी को आंसू भरी आंखों वाले नायडू को थपथपाते और सांत्वना देते हुए देखा जा सकता है। शांतनु ने अपनी एक पोस्ट में लिखा है, 'आखिरकार बैठकर चीजों को महसूस करने का मौका मिल रहा है। अभी भी इस बात को स्वीकार करने की कोशिश कर रहा हूं कि मैं उन्हें फिर कभी मुस्कुराते हुए नहीं देख पाऊंगा या उन्हें मुस्कुराने का मौका नहीं दे पाऊंगा।'

'आपका संदेश मुझे हौसला देता था'

शांतनु ने अपने पोस्ट में आगे लिखा, पिछले 3 दिनों में, देश भर से अजनबियों ने ढेरों संदेश भेजे हैं। इन्हें पढ़कर ऐसा लग रहा है, जैसे आप और मैं सालों से परिवार हैं। हर बार जब मैं सोचता था कि दुख खत्म हो जाएगा, तो आप में से किसी एक का कोई संदेश या इशारा मुझे थोड़ा हौसला देता था। उन्होंने आगे ये भी कहा, मुंबई के ये उदार पुलिसकर्मी इतने दयालु थे कि उन्होंने पूरे शहर को गले लगाया।

आमरण अनशन पर बैठे जूनियर डॉक्टर्स, हालत बिगड़ने के बाद तीन अस्पताल में भर्ती

कोलकाता। स्थानीय आरजी कर अस्पताल की घटना के बाद अपनी मांगों को लेकर पश्चिम बंगाल के जूनियर चिकित्सकों का आमरण अनशन रविवार को नौवें दिन भी जारी है। इस बीच, राज्य के विभिन्न हिस्सों में लोग अनशनकारियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए "सांकेतिक उपवास" कर रहे हैं। कोलकाता और राज्य के उत्तरी हिस्से में स्थित सिलीगुड़ी शहर में 'आमरण अनशन' कर रहे जूनियर चिकित्सकों में से अब तक तीन को हालत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आंदोलनकारी 'जूनियर डॉक्टर्स फोरम' के एक नेता ने कहा, "उनकी (अनशनकारियों की) स्थिति खराब होती जा रही है, लेकिन राज्य प्रशासन

बेपरवाह बना हुआ है।" इस बीच, आरजी कर अस्पताल के पूर्व छात्रों का एक समूह आमरण अनशन पर बैठे छात्रों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए 12 घंटे के प्रतीकात्मक उपवास के लिए अस्पताल पहुंच गया है। उन्हें, हालांकि अदालत के आदेश के बाद अस्पताल में सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) कर्मियों के प्रतिरोध का सामना करना पड़ा।

पूर्व छात्रों ने कहा कि चाहे कुछ भी हो जाए, वे अपने प्रस्तावित प्रतीकात्मक अनशन कार्यक्रम को जारी रखेंगे। इनमें से अधिकांश वरिष्ठ नागरिक हैं। मालदा और मुर्शिदाबाद जिले में कई लोग दिन में "प्रतीकात्मक अनशन" भी रख रहे हैं।

आंदोलनकारी चिकित्सकों ने लोगों से उनके मुद्दे के प्रति एकजुटता और समर्थन दिखाने के लिए रविवार को खाना न पकाने का आग्रह किया है। पिछले कुछ दिनों में जब दुर्गा पूजा उत्सव चल रहा था, बड़ी संख्या में आम लोग अनशन स्थल पर आए।

कनिष्ठ चिकित्सक आरजी कर अस्पताल में बलात्कार एवं हत्याकांड की शिकार सहकर्मी के लिए न्याय, स्वास्थ्य सचिव एन.एस. निगम को तत्काल हटाने, कार्यस्थल पर सुरक्षा और अन्य उपायों की मांग कर रहे हैं। उनकी अन्य मांगों में राज्य के सभी अस्पतालों एवं चिकित्सा महाविद्यालयों के लिए एक केंद्रीकृत रेफरल प्रणाली की स्थापना करने, बिस्तर रिक्ति निगरानी प्रणाली का कार्यान्वयन और कार्यस्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, ऑन-कॉल रूम और शौचालय के लिए आवश्यक प्रावधान सुनिश्चित करने के वास्ते टास्क फोर्स के गठन की मांग शामिल भी है।

पांच अक्टूबर से शुरू हुआ आमरण अनशन दो चरणों में करीब 50 दिनों तक चले 'काम बंद' के बाद शुरू हुई है। उनका आंदोलनसरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के अंदर ड्यूटी पर तैनात एक प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ नौ अगस्त को कथित तौर पर बलात्कार और हत्या के बाद शुरू हुआ था। कोलकाता पुलिस ने हालांकि अगले दिन एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर अब सीबीआई मामले की जांच कर रही है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से स्थिति बिगड़ने से पहले हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। निजी अस्पतालों के चिकित्सकों ने आमरण अनशन कर रहे आंदोलनकारी जूनियर चिकित्सकों के साथ एकजुटता दिखाते हुए, राज्य के चिकित्सा प्रतिष्ठानों में 14 अक्टूबर से 48 घंटे के "आंशिक कार्य बंद" का आह्वान किया है। निजी अस्पतालों के स्वास्थ्य पेशेवरों के बैनर तले चिकित्सकों ने, हालांकि कहा कि सभी चिकित्सा सुविधाओं में आपातकालीन सेवाएं चालू रहेंगी।

मां ने मरवाने के लिए दी सुपारी, बेटी ने कर दिया जवाबी वार; महिला को गंवानी पड़ी जान

एटा। यूपी के एटा जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना में एक मां ने अपनी ही बेटी की हत्या करवाने की कोशिश की, लेकिन हत्या की साजिश में ही फंस गई। पुलिस ने इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि मृतक महिला अलका देवी ने अपनी बेटी के प्रेम प्रसंग से परेशान होकर उसकी हत्या के लिए एक किलर को सुपारी दी थी।

पुलिस के अनुसार, अलका देवी ने अपनी बेटी के प्रेमी सुभाष सिंह को 50,000 रुपये में यह काम सौंपा था। लेकिन, बेटी को इस बात का पता चल गया और उसने सुभाष के साथ मिलकर अपनी मां को ही मौत के घाट उतार दिया।

आज भी आदिवासी मूलभूत सुविधाओं से हैं वंचित-जिलाध्यक्ष

सोनभद्र। ओबरा विधानसभा के जुगैल क्षेत्र में भीतरी ग्राम सभा में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामराज सिंह गोड़ की अध्यक्षता में स्थानीय समस्याओं के मद्देनजर ब्रह्मदेव गोड़ यहां गोष्ठी हुई। जिसमें स्थानीय लोगों ने अपनी समस्याओं से जिला अध्यक्ष को रूबरू कराया। कहा कि यह हम सबके लिए बहुत दुर्भाग्य की बात है कि जिस विधानसभा में खुद मंत्री रहते हैं उसी विधान सभा में बिजली, पानी, नेटवर्क आदि मूलभूत सुविधाओं से यहां के लोग वंचित हैं। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि खेतों में पट्टे से लेकर अन्य कार्यो के लिए उससे संबंधित अधिकारियों द्वारा पैसे की मांग की जा रही है। कई लोगों को अभी तक आवास भी नहीं मिल पाया है। आखिर इसका जिम्मेदार कौन है? वनाधिकार कानून को लेकर जहां कांग्रेस ने इतना सम्मान दिया वहीं वर्तमान सरकार हम सबकी उपेक्षा कर रही है।

गाजे-बाजे के साथ दुर्गा प्रतिमाओं का किया गया विसर्जन

-जीआईसी से निकली शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। जनपद में विजयदशमी पर दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। दुर्गा मां को विदाई देने के लिए बड़ा जनसमूह सड़क पर उतर आया। गाजे-बाजे के साथ निकली शोभायात्रा में डीजे पर युवा थिरकते नजर आए। निर्मलीकुंड पर देर शाम तक विसर्जन का सिलसिला चलता रहा। सुबह 11 बजे जीआईसी मैदान से शोभायात्रा को महापौर गिरिशपति त्रिपाठी, पूर्व सांसद लल्लू सिंह, पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, जिला अध्यक्ष संजीव सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रोहित सिंह व पूर्व जिला अध्यक्ष अवधेश पांडेय बादल, पूर्व मंत्री तेजनरायन पांडेय पवन ने रवाना किया। इससे एक दिन पहले ही रात में 150 प्रतिमाएं एकत्रित हो गई थीं। प्रतिमाएं फतेहगंज, चौक, रिकाबगंज

होते हुए प्रतिमाएं निर्मलीकुण्ड पहुंची। इससे पहले जगह-जगह पर माता की प्रतिमाओं पर पुष्पवर्षा हुई। चौक घंटाघर पर नगर निगम ने स्टेज बनवा रखा था। चौक में शोभा यात्रा पर विधायक वेद गुप्ता व अन्य पुलिस अधिकारियों ने स्वागत किया। विसर्जन के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे। विसर्जन यात्रा पर सार्वजनिक वाहन प्रतिबंधित किये गए थे। सुरक्षा के मद्देनजर स्थानीय पुलिस के अलावा आरपीएफ व महिला पुलिस की तैनाती की गई थी। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन शोभा यात्रा में पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन समाजवादी पार्टी के नेताओं के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्र में मिलते जुलते जीआईसी मैदान पहुंचे जहां पर केंद्रीय

दुर्गा पूजा समिति द्वारा सभी का स्वागत किया गया इसी के साथ विभिन्न चौराहा पर स्वागत का कार्यक्रम भी हुआ इस अवसर पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने कहा कि मां दुर्गा विसर्जन शोभायात्रा दशहरा के पावन पर सभी को हार्दिक बधाई दिया और कहा यह त्यौहार अमन चैन का त्यौहार है इसको हम सब आपस में मिलजुल कर मनाते हैं सपा जिला प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव के अनुसार इस अवसर प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री अमृत राजपाल युवा नेता पंकज पांडे प्रधान अनुराग सिंह डॉक्टर घनश्याम यादव संजीत सिंह पूर्व प्रधान मुकेश यादव करण यादव मुन्नू अंकित जायसवाल शशांक यादव अक्षत श्रीवास्तव शिवांशु तिवारी शाहबाज लकी आशु सिंह फरीद कुरैशी रजत गुप्ता आज लोग मौजूद रहे।

सोहावल प्रतिनिधि के अनुसार विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी क्षेत्र के तीन घाटों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच माँ दुर्गा की प्रतिमाओं का देर रात तक भक्तों द्वारा विषर्जन किया गया। शनिवार को क्षेत्र के ढेमवा घाट पर डेढ़ बजे रात तक 139 कलाफरपुर 24 और दिनकरपुर घाट पर 17 माँ दुर्गा की प्रतिमाओं का कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच विषर्जन किया गया।बीकापुर विधायक डा0 अमित सिंह चौहान क्षेत्र के घाटों पर पहुंचकर प्रतिमा की पूजा अर्चना किया। व्यवस्था को लेकर एस डी एम सोहावल अशोक कुमार सैनी तहसीलदार सुमित सिंह नायब तहसीलदार रौनाही रिशू जैन रौनाही थाना प्रभारी पंकज सिंह राजस्व कर्मियों और पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

असत्य पर सत्य की हुई विजय

सोनभद्र। बुराइयों पर अच्छाइयों की जीत का पर्व दशहरा व दुर्गा पूजा परम्परागत ढंग से हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हो गया। इस अवसर पर रामलीला कमेटियों द्वारा राम-रावण युद्ध दिखाया गया और अहंकारी रावण का पुतला भी दहन किया गया। राम-रावण के युद्ध को देखने के लिए दूर-दराज से भी ग्रामीण इलाकों से भारी संख्या में लोग आये हुए थे। अगर यह कहा जाय कि जन सैलाब ही उमड़ू गया था तो कोई अतिशयोजित नहीं होगी। लोगों में काफी उत्सुकता देखी गयी, छतों पर चढ़कर तमाम लोगों ने इस राम-रावण के युद्ध को देखा। दर्शकों ने असत्य के प्रतीक रावण को जलता हुआ देख सभी पापो से अन्त की कामना के साथ ही अपने-अपने गन्तव्य की ओर रवाना हुए। वहीं दूसरी तरफ नगर के विभिन्न स्थानों पर दुर्गा पूजा पण्डालों में माता रानी की-प्रतिमाओं का पूजन-अर्चन और दर्शन किया।

अंतर्ध्वनि ऑनलाइन प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को वितरित किया गया पुरस्कार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

हरदोई। अंतर्ध्वनि जनकल्याण समिति के तत्वावधान में मई व जून व में आयोजित हुईं ऑनलाइन प्रतियोगिताओं के हरदोई के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए। स्थानीय गांधी हॉल में हुए पुरस्कार वितरण कार्यक्रम की शुरुआत आयोजकों व संयोजकों द्वारा सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। इस अवसर आयोजक कुलदीप द्विवेदी ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हुईं 9 ऑनलाइन प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण के प्रथम चरण में हरदोई के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए। पुरस्कार पाने वाले प्रतिभागियों में मानसी शुक्ला, शुभी गुप्ता, प्रिया मिश्रा, रॉबिन, ज्योति गुप्ता, पूजा कश्यप, देवांश गुप्ता, ऋषभ अवस्थी, अविका सिंह, मिनाहिल खान, चारु वैश, रोहन दक्ष, नीतू यादव, प्रेरणा अरोड़ा, विशेष कश्यप, अमोघ रस्तोगी, रिद्धिमा ठाकुर, ईशानी भारद्वाज, कल्पना दुबे, हर्षाली अवस्थी, ऐमन खान, पूजा पाल, लाइबा खान, पूर्णिमा सिंह, वैभवी मिश्रा, राशि गुप्ता, कौशिकी तिवारी, खुशी जायसवाल, सान्वी वर्मा, ऐश्वर्य राज पांडेय, शुभ यादव, ईशानी बाजपेई, आस्था गुप्ता, नीतू यादव, परी, वैष्णवी सिंह, कृति, कोमल वर्मा, श्री श्रीवास्तव, साहिबा रस्तोगी, लक्ष्मी गुप्ता, रूबी गौर, दृश्या गुप्ता, वाची गुप्ता, अनाया यादव, भाविका सिंह राठौर, अर्तिका सिंह, नाव्या देवल, रिया कश्यप, फ़राज़ खान, उन्नति शुक्ला, आराध्या कश्यप, आर्यन गुप्ता, खुशी गुप्ता, प्रज्ञा गुप्ता, आर्यन शर्मा, वैष्णवी सिंह, ऋषभ श्रीवास्तव, सिया यादव, वैष्णवी गुप्ता, महिमा रस्तोगी, तनिष्ठा, डॉ

शर्म नाम की घुट्टी ने खेती, पशुपालन से विरत कर दूसरों की ड्योढ़ी के सिपहसालार बन गए : बृजभूषण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

हरदोई। 'युवाओं को अपने में कमियां ढूंढ कर आत्म चिंतन करना होगा, हम क्या थे ,अब क्या हो गए और क्या होंगे अभी, ठाकुरैसी में शर्म की घुट्टी से खेती, पशुपालन से विरत हो संख्या बल में हर तरफ से समृद्ध होने के बावजूद हम दूसरों की जी हुजूरी करने को विवश होते जा रहे हैं, कर्म तो हमें हर एक परिस्थिति में करना ही पड़ेगा, चाहे परिस्थितियां सकारात्मक हों अथवा नकारात्मक बल्कि नकारात्मक परिस्थितियों में अपने को साबित करने की प्रबल इच्छा और बढ़ जाती है' गांधी भवन के प्रांगण में क्षत्रिय समागम के विशाल समूह से मुखातिब होते हुए बीजेपी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने व्यक्त किए। इससे पूर्व हेलीपैड पर भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह का क्षत्रिय महासभा के जिला अध्यक्ष ठाकुर राजपाल सिंह ,सवायजपुर विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू ,भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, राम बहादुर सिंह, अशोक कुमार सिंह ,राजा बक्श सिंह ,सुनील सिंह एडवोकेट सचिव रेड क्रॉस सोसाइटी, अखिलेश सिंह सिकरवार उपसभापति रेड क्रॉस सोसाइटी, रवि शुक्ला केंद्रीय अभिभावक कल्याण समिति, भानु प्रताप सिंह रारा, शैलेंद्र सिंह ,योगेंद्र सिंह,सुबोध सिंह दीपू ,अमित सिंह ,आकाश सिंह ,सुनील तोमर ,कमलेंद्र सिंह ,राघवेंद्र सिंह,ने पुष्प गुच्छ भेंट कर जनपद आगमन पर जोरदार स्वागत किया। इसके बाद क्षत्रिय भवन में क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारी द्वारा स्वागत किया गया। पूर्व ब्लाक प्रमुख बावन समीर सिंह के यहां उन्होंने पहुंचकर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के चित्र पर माल्यार्पण किया। इसके बाद समीर सिंह की अगुवाई में बड़ी संख्या में लोगों ने वहां पर उनका स्वागत किया। मंच पर मौजूद जनपद के सुप्रसिद्ध सर्जन डॉक्टर एस के सिंह, दंत चिकित्सक डॉ एके सिंह,भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, राम बहादुर सिंह ,गौरव सिंह भदौरिया, ब्लॉक प्रमुख पन्ने सिंह, पतंजलि प्रभारी हरिवंश सिंह, सुनील सिंह सोमवंशी, अखिलेश सिंह सिकरवार, भानु प्रताप सिंह रारा, रवि शंकर शुक्ला आदि ने माला व प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया। श्री सिंह ने उपस्थित लोगों से आत्म-चिंतन करने की अपील की। उन्होंने कर्म के महत्व पर जोर दिया और कहा कि कर्म हर परिस्थिति में करना जरूरी है, चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी नकारात्मक क्यों न हों। उनके अनुसार, नकारात्मक परिस्थितियों में भी व्यक्ति तरक्की कर सकता है और यही समय होता है जब वह अपनी वास्तविक क्षमता को पहचान सकता है। उन्होंने अपने भाषण में भारतीय साहित्यकारों और कवियों का उल्लेख किया, जिनमें रामधारी सिंह दिनकर और गोस्वामी तुलसीदास शामिल थे। उन्होंने दिनकर की पंक्तियों के माध्यम से यह संदेश दिया कि संघर्ष और कर्म ही मनुष्य को आगे बढ़ने में सहायक होते हैं। उन्होंने तुलसीदास के उदाहरण से यह स्पष्ट किया कि भक्ति और कर्म दोनों का मेल जीवन में जरूरी है, और क्षत्रिय समाज को इन मूल्यों को अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि आजकल क्षत्रिय समाज को कई नकारात्मक परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन इन परिस्थितियों से डरने के बजाय, उन्हें इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। बृजभूषण ने कहा, 'कहा कम है, समझना ज्यादा है,' यह वाक्य उन्होंने इस बात को रेखांकित करने के लिए कहा कि वर्तमान समय में हमें परिस्थितियों को गहराई से समझकर ही आगे बढ़ना चाहिए।

यति के बयान पर पाली के मुस्लिमो ने किया प्रदर्शन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

हरदोई। पाली स्थित जामा मस्जिद परिसर में मुस्लिम समाज के लोगों ने गाजियाबाद के डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद द्वारा की गई विवादित टिप्पणियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। मुस्लिम समुदाय ने यति नरसिंहानंद के खिलाफ कठोर कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेजने की मांग की है।

पाली कस्बे की जामा मस्जिद में एकत्र हुए लोगों ने यति नरसिंहानंद के बयान को लेकर आक्रोश व्यक्त किया। अंजुमन कमेटी जामा मस्जिद पाली के सदर मलिक समीउल हसन और पेश इमाम मोहम्मद असलम खान कादरी की अगुवाई में उपस्थित मुस्लिम समुदाय ने पाली थानाध्यक्ष रमेशचंद्र पांडेय को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि महंत यति नरसिंहानंद ने हाल ही में पैगंबर के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी की है, जिससे मुस्लिम समुदाय की भावनाएं आहत हुई हैं। वे पहले भी विवादित टिप्पणियां करने के कारण जेल जा चुके हैं। ज्ञापन में यति नरसिंहानंद के सहयोगी अनिल यादव द्वारा भी विवादित वीडियो जारी करने का उल्लेख किया गया, जिसमें उन्होंने इस्लाम के पहले और चौथे खलीफाओं के खिलाफ टिप्पणियां की थीं। मुस्लिम समुदाय ने पुलिस से मांग की है कि यति नरसिंहानंद और उनके समर्थकों पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत कार्रवाई की जाए। कहा गया कि ऐसी टिप्पणियों से माहौल खराब होता है, सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। ज्ञापन सौंपने के दौरान मलिक समीउल हसन, सजर मोहम्मद, मोहम्मद आरिफ, इब्राहिम अली, नौशाद खां, बजहत खां, अरशद अली, चांद मियां, नूर अली, अख्तर अली, हनीफ खां, मोहम्मद सगीर, नासिर अली, इमरान खां, सुलेमान खां, शहनवाज अली, लियाकत अली, रऊफ खां, अहमद अली समेत कई अन्य मौजूद रहे।

स्वंयसेवक समाज परिवर्तन में लगें : आनंद सोनी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। 12 अक्टूबर 2024 अयोध्या- आज अयोध्या जिले के सभी खंड एवं नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शस्त्र पूजन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मया ब्लॉक के नव बाल गोपाल दुर्गा पूजा समिति दिलासीगंज बाजार मया मे बोलते हुए सह जिला कार्यवाह आनंद सोनी ने कहा कि आज संघ अपने सौवे में प्रवेश कर रहा है ऐसे समय में समाज की स्वयंसेवकों के प्रति अपेक्षा बढ़ रही है इसलिए अब हमें समाज केंद्रित कार्यक्रमों की योजना बनानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि आज समाज में परिवार को संस्कारित करने के लिए घर में रामचरित मानस व श्री मदभगवत गीता का अध्ययन नियमित करना चाहिए। अपने परिवार को सप्ताह में एक दिन मुहल्ले के मंदिर में लेकर जाना चाहिए ताकि हमारा परिवार मुहल्ले से जुड़ सके। मुहल्ले में होने वाली गतिविधियों में जब हमारा परिवार भाग लेगा तो उसके मन से अमीरी गरीबी, जाति पात का अहंकार समाप्त होकर सबके प्रति आत्मीयता का भाव पैदा होगा जिससे उसका मुहल्ले के लोंगो से अपनापन का भाव पैदा होगा और वह उनकी सेवा के लिए तत्पर रहेगा।

गली मुहल्ले के बड़े बुजुर्ग उसे समाज के नियमों के पालन के लिए भी तैयार करेंगे जब वह समाज व देश के नियमो का पालन करेगा तो वह भृष्टाचार तथा कानून तोड़ने से बच जाएगा। इस प्रकार वह एक सभ्य नागरिक के नाते समाज में अपनी भूमिका निभा सकेगा। समाज मे पर्यावरण की समस्या के समाधान के लिए वह अपने मुहल्ले में जल संरक्षण, पौधरोपण, उर्जा संरक्षण, कचरा प्रबंधन के लिए लोगो को जागरूक कर अपने मुहल्ले के लोगो का जीवन स्तर शुद्ध करेगा। उन्होंने कहा कि हर स्वयंसेवक अपने मुहल्ले को संस्कारित करने के लिए समाज की सज्जन शक्ति का सहयोग लेकर यह सारे कार्य शुरू करें। इसी कार्य के लिए ही संघ का निर्माण हुआ है। अपने -2 घर मुहल्ले को अच्छा बनाते -2 सारा देश ही अच्छा बन जायेगा। और भारत माता की जय का उदघोष साकार हो सकेगा। कार्यक्रम की अध्यक्ष सह जिला संघचालक राकेश सिंह ने की। इस अवसर खंड कार्यवाह विनय, प्रचारक आदर्श,सह जिला संचालक राकेश, मां. खंड संचालक उपेंद्र खण्ड कार्यवाह विनय जी, सह खण्ड कार्यवाह महेश प्रदीप, प्रेम सागर, लल्ला,रुद्रा ,राकेश पाठक, शिवपूजन , मोनू, सत्यम संदीप, बब्ल्लू उपस्थित रहे

वर्चुअल कर एफपीओ के माध्यम से किसानों को किया जागरूक

सोनभद्र। यूनिवर्सल सोनांचल फार्मर एसोसिएशन (एफपीओ) एवं तेजस्वी संगठन न्यास द्वारा संचालित तेजस्वी किसान मार्ट द्वारा बिहार, मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में वर्चुअल बैठक कर एफपीओ को किया गया। संचालन ई. प्रकाश पाण्डेय सीईओ यूनिवर्सल सोनांचल फार्मर एसोसिएशन द्वारा किया गया मुख्य वक्ता के रूप में हिमांशु चतुर्वेदी राष्ट्रीय संगठनमंत्री तेजस्वी किसान मार्ट रहे। सर्वप्रथम बिहार प्रदेश की निगरानी समिति के सदस्यों के साथ परिचयात्मक बैठक कर एफपीओ द्वारा किसानों को जागरूक व आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की योजनवो पर वृहद चर्चा की गई। बिहार प्रदेश से आशोक कुमार, शैलेन्द्र कुमार, प्रकाश कुमार तिवारी, डायमंड कुमार, नंदलाल कुमार, निखिल रोशन, ज्योति प्रकाश, बिहार के प्रभारी गुड्डू सिंह जी रहे। मध्य प्रदेश में राजाराम पटेल, अर्जुन चडार, पुरषोत्तम पटेल गिरिराज सिंह, हितेश चैधरी, गुड्डू सिंह, अखिलेश शुक्ला, गौरव सिंह सम्मिलित रहे।

संतराम घाट पर बड़ी संख्या में दुर्गा प्रतिमाओं का हुआ विसर्जन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मिल्कीपुर-अयोध्या। बारुन बाजार देवरिया स्थिति तमसा नदी के संतराम घाट पर बड़ी संख्या में दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन रात 10 बजे तक हुआ। संतराम घाट के व्यवस्थापक दूधनाथ यादव ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़ी संख्या में मूर्तियों का विसर्जन तमसा नदी के संतराम घाट पर किया गया है। उन्होंने बताया कि आयोजन समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए विसर्जन स्थल पर विशाल भंडारे एवं धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।आयोजन समिति के सदस्य वीरेंद्र यादव ने बताया कि उनके पूर्वज संतराम यादव की याद में पूरा परिवार विगत 10 वर्षों से तमसा नदी पर मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन का संचालन तथा विशाल भंडारे का आयोजन करता आ रहा है।

मिल्कीपुर तहसील के देवरिया गांव तथा सोहावल तहसील के भाईपुर

गांव की सीमा पर स्थिति मूर्ति विसर्जन स्थल पर थाना पूरा कलंदर की पुलिस तथा थाना इनायत नगर की पुलिस प्रभारी निरीक्षक अभिमन्यु शुक्ला के नेतृत्व में दलबल के साथ मौजूद रही।प्रभारी निरीक्षक अभिमन्यु शुक्ला ने बताया कि सभी मूर्तियों का विसर्जन शांतिपूर्ण ढंग से तमसा नदी के संतराम घाट पर कर दिया गया है।

तमसा नदी के दोनों छोर स्थित गांव भाईपुर के ग्राम प्रधान शैलेंद्र वर्मा तथा देवरिया के प्रधान प्रतिनिधि सर्वादीन यादव का मूर्ति विसर्जन में विशेष सहयोग रहा। आयोजन समिति के सदस्यों ने मूर्ति विसर्जन में सुगमता लाने के लिए प्रशासन से विसर्जन स्थल पर पक्के घाट के निर्माण की मांग किया है।

देर रात तक हुए मूर्ति विसर्जन में बारुन चौकी प्रभारी अविनाश सिंह, उपनिरीक्षक शशांक पाठक, उपनिरीक्षक देवव्रत यदुवंशी, ग्राम पंचायत अधिकारी रंजीत कुमार, व्यवस्थापक दूधनाथ यादव,वीरेन्द्र यादव, प्रेमदास यादव, दुर्गा प्रसाद चौहान, विश्वनाथ, विजय बहादुर यादव, दिलीप यादव, पवन यादव, मुकेश यादव, विजय चौहान, संदीप यादव, गौतम यादव, राम सागर चौहान, सुमित यादव, मो नईम, शिव बहादुर, संतोष मिश्रा, अमन सिंह, विनय यादव, गुड्डू भैया, अवधेश वर्मा, विकास यादव, अभिषेक यादव, महेश कौशल आदि ने विशेष भूमिका निभाई।

दशानन का पुतला जलते ही जय श्रीराम के जयकारों से गुंजायमान हो गया समूचा नगर

सोनभद्र। बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य के जीत का पर्व विजयादशमी जिले शनिवार को धूमधाम से मनाई गई। रावण का पुतला जलते ही पूरा क्षेत्र जयश्री राम के नारों से गूंज उठा। दशहरा मेले पर सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम रहें। जिला मुख्यालय राबर्ट्सगंज के रामलीला मैदान में दशहरे पर रावण वध की लीला का मंचन किया गया। रथ पर सवार होकर भगवान श्रीराम और रावण के बीच युद्ध की शुरूआत हुई। राम और रावण के बीच युद्ध का मंचन लगभग एक घंटे चला। राम के बाण छोड़ने पर बुराई रूपी रावण का पुतला धू धू कर जल गया। रावण के वध के बाद भगवान श्रीराम ने अपने वचन के अनुसार विभीषण को लंका का राज्य सौंप दिया। रामलीला मंच पर रात्रि मंच पर 8 बजे से भरत मिलाप और श्री रामराज्याभिषेक की दिव्य लीला का मंचन किया गया।

भाजपा पिछड़ा मोर्चा ने दुर्गा प्रतिमा पर पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

रूदौली-अयोध्या। विधान सभा रुदौली अयोध्या में आज प्रतिमा विसर्जन व दशहरा पर निकली भगवान श्री राम की शोभायात्रा का भाजपा पिछड़ा मोर्चा नगर रूदौली के द्वारा समिति के अध्यक्ष व रामलीला समिति के कार्यकर्ता को भाजपा पिछड़ा मोर्चा के अध्यक्ष विवेक कुमार वैश्य व उनकी टीम के द्वारा अंग वस्त्र पहना कर सम्मानित किया गया साथ ही मोर्चा के कार्यकर्ताओं के द्वारा प्रतिमा व मां के भक्तों पर पुष्प वर्षा किया गया साथ ही जलपान का आयोजन किया गया ज्ञातव्य हो की रुदौली नगर पालिका के क्षेत्र में रूदौली विधानसभा की लगभग दो दर्जन मूर्तियां व दो रामलीला की रथ यात्रा निकलती है इस मौके पर नगर पालिका रुदौली के मोहल्ला नवाबबाजार में भाजपा पिछड़ा मोर्चा के नगर संगठन के द्वारा पुष्प वर्ष व जल पान की व्यवस्था किया गया जिसमें प्रमुख रूप से भाजपा पिछड़ा मोर्चा नगर अध्यक्ष एडवोकेट विवेक कुमार वैश्य,नगर महामंत्री राजकुमार लोधी,नगर मंत्री शिवा राठौर,नगर मंत्री मयंक धवन,मीडिया प्रभारी रामजीत लोधी, नगर नगर उपाध्यक्ष रवि यज्ञसैनी,उपाध्यक्ष शिवम गुप्ता बंटू, साथ ही भाजपा युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष आशीष शर्मा,सभासद कुलदीप सोनकर, सभासद लालचंद लोधी,सभासद महेश कश्यप,पूर्व नगर अध्यक्ष सत्येंद्र शास्त्री ,राजेश वैश्य, आलोक कुमार वैश्य, भाजपा युवा मोर्चा नगर महामंत्री मनीष चौरसिया, एडवोकेट अभय वैश्य, श्री चंद्रदेव रामलीला समिति के अध्यक्ष लाल जी आर्य, महामंत्री बृजेश वैश्य, सहित भक्त लोग मौजूद रहे।

रावण का कद बढ़ने से जीवन में राम का होता है कद छोटा-सुमन

सोनभद्र। सेवा केंद्र संचालिका बीके सुमन ने बताया कि जब मनुष्य के जीवन में बुराइयों के प्रतीक रावण का कद बड़ा होता जाता है तो राम अर्थात सद्गुणों एवं मानवीय मूल्यों का कद छोटा होता जाता है। सद्गुणों से सम्पन्न सोलह श्रेष्ठ मानवीय कलाओं से अलंकृत जीवन ही सतयुग है और मानवीय मूल्यों के पतन की पराकाष्ठा ही कलयुग का प्रारम्भ है। जब मनुष्य ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग से जीवन को नर्क बनाने वाले पांच महाविकारों काम, क्रोध,लोभ, मोह, अहंकार और पांच महाशत्रुओं ईष्या, घृणा, द्वेष, छल और कपट पर विजय प्राप्त कर लेता है तो विजयादशमी महापर्व की सार्थकता उसके जीवन में सिद्ध हो जाती है। उसके जीवन से रावण के अंश और वंश का समूल विनाश हो जाता है। विजयादशमी के अवसर पर विकास नगर स्थित ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र पर आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सेवाकेंद्र संचालिका बीके सुमन ने उक्त बातें कहीं।

अयोध्या नगर निगम में लागू हुई ई-ऑफिस प्रणाली

ई आफिस की सुविधा शुरू करने वाला प्रदेश का चौथा नगर निगम है अयोध्या नगर निगम

- नगर निगम की सभी फाइलों को ऑनलाइन करने का काम किया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। योगी सरकार का जीरो टॉलरेंस अब तेजी से विभागों में लागू हो रहा है। इसी कड़ी में अयोध्या नगर निगम में ई-आफिस की प्रणाली शुरू की गई है। ये सुविधा लागू करने वाला अयोध्या प्रदेश का चौथा नगर निगम बन गया है। इस प्रक्रिया के लागू हो जाने के बाद अब फाइल क्लियरेंस में अड़चनें उत्पन्न करने वाले अधिकारी व कर्मचारियों की खैर नहीं होगी क्योंकि अब सभी फाइलों पर डिजिटल हस्ताक्षर होंगे। शासन स्तर से भी इसकी लगातार मॉनिटरिंग होती रहेगी। योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत ही विभागों में कार्य शुरू हो रहा है। अयोध्या नगर निगम की अब सभी फाइलों को डिजिटाइजेशन के माध्यम से ऑनलाइन करने का कार्य किया जा रहा है। इससे न सिर्फ इधर-उधर बिखरी फाइलें न केवल सर्वर पर स्टोर हो सकेंगी, बल्कि इससे फाइलों को ढूंढने में लगने वाला कीमती वक्त बर्बाद नहीं होगा। नगर निगम में ई-आफिस की व्यवस्था को शुरू करते ही अधिकारियों और संबंधित अधिकारियों के डिजिटल हस्ताक्षर बनाये गए हैं। इन्हीं हस्ताक्षरों को कम्प्यूटर में लोड कर फाइलों में किया जाएगा।पूरी प्रक्रिया को धरातल पर उतारने के लिए 15 से 20 कंप्यूटर की आवश्यकता होगी। इसलिए 15वें वित्त आयोग की निधि से कंप्यूटर की खरीदारी की जाएगी। हर एक अधिकारियों के कक्ष में कम्प्यूटर होगा। उसके साथ एक ऑपरेटर मिलने की भी बात कही जा रही है। नगर निगम की सभी फाइलों को ऑनलाइन करने का काम किया जा रहा है। अब तक सैकड़ों फाइल कम्प्यूटर पर चढ़ाई भी जा चुकी हैं। अन्य फाइलों को भी ऑनलाइन करने का काम किया जा रहा है। हर मामलों में अंतिम हस्ताक्षर नगर आयुक्त के ही होंगे। अगर फाइल में कोई गड़बड़ी हुई तो वे कार्रवाई के लिए भी प्रस्तावित करेंगे। सबसे पहले अलीगढ़ में शुरू हुई थी ई-ऑफिस की सुविधा अपर नगर आयुक्त सुमित कुमार के मुताबिक अयोध्या ई-आफिस की सुविधा शुरू करने वाला प्रदेश का चौथा नगर निगम है। सबसे पहले अलीगढ़, लखनऊ उसके बाद बरेली ने ई-आफिस की सुविधा शुरू की थी।

बाढ़ से प्रभावित अन्नदाताओं के लिए मसीहा बनी योगी सरकार

योगी सरकार ने बाढ़ से क्षतिग्रस्त फसलों के मुआवजे में अन्नदाताओं को अब तक दिये करीब 164 करोड़

» प्रदेश के बाढ़ प्रभावित रहे 34 जनपद के 3,12,866 अन्नदाताओं को वितरित की गई सहायता धनराशि

» ललितपुर के 54,462 और सिद्धार्थनगर के 29,261 अन्नदाताओं को दी गई सहायता धनराशि

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार अन्नदाता किसानों की आय में वृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है तो वहीं, उन्हें होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए भी तत्पर रहती है। इसी क्रम में योगी सरकार ने प्रदेश में बाढ़ की वजह से फसलों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए इस मानसून में अब तक 163.151 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया है। योगी सरकार ने प्रदेश के बाढ़ से प्रभावित रहे 34 जिलों के 3,12,866 किसानों को मुआवजा जारी किया है। सर्वाधिक मुआवजा लखीमपुर खीरी के किसानों को दिया गया है। यहां के 1.10 लाख से अधिक किसानों को 70 करोड़ से अधिक रुपये का मुआवजा दिया गया है।

सबसे अधिक लखीमपुर खीरी में दिया गया 70.88 करोड़ का मुआवजा

राहत आयुक्त भानु चंद्र गोस्वामी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के बाढ़ ग्रस्त इलाकों में क्षतिग्रस्त फसलों का सर्वे कराया गया ताकि अन्नदाताओं को समय से मुआवजा का भुगतान किया जा सके। उन्होंने बताया कि नेपाल और पहाड़ी क्षेत्रों से छोड़े गये पानी से प्रदेश के 34 जिलों की 110989.26 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई थी। बता दें कि बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और बाढ़ से क्षतिग्रस्त 33 प्रतिशत से अधिक फसल के नुकसान पर सरकार की ओर से मुआवजा दिया जाता है। राहत आयुक्त ने बताया कि बाढ़ से 3,71,370 किसानों की फसल प्रभावित हुई। इसके सापेक्ष अब तक 3,12,866 किसानों को 163.151 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जा चुका है। इसमें सबसे अधिक लखीमपुर खीरी के 1,10,990 किसानों की फसल बाढ़ से प्रभावित हुई। इसके सापेक्ष अब तक 1,10,105 किसानों को 70.88 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है। इसी तरह ललितपुर के 81,839 किसानों की फसल बाढ़ से प्रभावित हुई। इसके सापेक्ष अब तक 54,462 किसानों को 21.9 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है। वहीं सिद्धार्थनगर के 30,144 किसानों की फसल बाढ़ से प्रभावित हुई। इसके सापेक्ष 29,261 किसानों को 15.41 करोड़ का मुआवजा दिया जा चुका है।

प्रदेश के यह जिले बाढ़ से रहे प्रभावित

सीएम योगी के निर्देश पर बाढ़ से प्रभावित अन्नदाताओं को क्षतिग्रस्त फसलों का मुआवजा ससमय दिया गया है। इनमें अंबेडकरनगर, औरैया, अयोध्या, आजमगढ़, बदायूं, बहराइच, बलिया, बलरामपुर, बांदा, बाराबंकी, बस्ती, बुलंदशहर, फर्रुखाबाद, गोंडा, गोरखपुर, हमीरपुर, हरदोई, हाथरस, जालौन, झांसी, कानपुर देहात, कुशीनगर, मऊ, मीरजापुर, पीलीभीत, रामपुर, सहारनपुर, शाहजहांपुर, श्रावस्ती, सीतापुर और वाराणसी आदि जिले शामिल हैं। इन जिलों के बाढ़ प्रभावित 98 प्रतिशत अन्नदाताओं को अब तक क्षतिग्रस्त फसलों को मुआवजा दिया जा चुका है। शेष दो प्रतिशत अन्नदाताओं को मुआवजा देने की कार्यवाही चल रही है।

घर मे सेंध लगा चोरो ने उड़ाए जेवर व नकदी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मलिहाबाद, लखनऊ। बेखौफ चोरो ने एक विधवा महिला के घर मे पीछे से सेंध लगाकर अंदर घुस कमरे में रखा बक्शा उठा ले गये। जिसमे लाखो के जेवर सहित 20 हजार की नकदी गायब कर दी। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम धनाखेड़ा गौंदा मुअज्जमनगर निवासिनी बिंदू के पति की मृत्यु करीब 6 माह पूर्व हो गयी थी । जिसके बाद से वह अपनी सास व देवर व अपने बच्चों के साथ रहती है । बीती 11/12 की रात करीब एक बजे उसका देवर सूरज पेशाब करने के लिये उठा तो उसने देखा कि पीछे सेंध लगी है। सेंध लगी देख वह चिल्लाने लगा। अंदर जाकर लोगों ने देखा तो कमरे में रखा छोटा बक्सा गायब था। विधवा बिंदू ने बताया कि बक्शे में एक सोने का पांच पत्ती का माला, सोने की अंगूठी, झुमकी, चांदी की कमरपेटी, 6 बिछिया व 20 हजार रुपयो की नकदी थी । काफी खोजबीन पर गांव के बाहर एक ज्वार के खेत मे बिखरा बेकार सामान पड़ा मिला।

यूपी को मिलेंगी सात नई सड़कें, पहली बार पर्यावरण के अनुकूल होंगी, दुर्घटनाओं का खतरा भी होगा कम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। शहर में खास तरह से बनने वाली सात सड़कों की नींव शनिवार को रखी गई। मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्राक्चर डेवलपमेंट स्कीम के तहत बनने वाली सड़कों की कुछ खासियत होगी। खास यह होगा कि सड़क को पर्यावरण के अनुकूल बनाया जाएगा। चौराहों और जंक्शनों की डिजाइन सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में कारगर होगी। पार्किंग के साथ ही वेंडिंग जोन को भी व्यवस्थित किया जाएगा। ऐसे इंतजाम होंगे, जिससे अनाधिकृत पार्किंग से सड़क पर अतिक्रमण न हो। इसमे बिजली लाइनों को भूमिगत किया जाएगा। भूमिगत अन्य लाइनों और पाइपों को डक्ट से ले जाया जाएगा, जिससे भूमिगत लाइन को डालने के लिए सड़कों की बार-बार खोदाई न करनी पड़े। इसमे सीवर और पानी की पाइप लाइन भी होगी। फुटपाथ का निर्माण होगा और खास तरह की स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। महानगर मोंटफोर्ट स्कूल तिराहा पर सुबह 11 बजे आयोजित कार्यक्रम में नगर विकास और ऊर्जा मंत्री एके शर्मा और महापौर सुषमा खर्कवाल मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्राक्चर डेवलपमेंट स्कीम से बनने वाली सात सड़कों की नींव को रखेंगी। कार्यक्रम में विधायक डा. नीरज बोरा, राजेश्वर सिंह और ओपी श्रीवास्तव भी मौजूद रहेंगी। नगर निगम के मुख्य अभियंता (सिविल) महेश चंद्र वर्मा का कहना है कि मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्राक्चर डेवलपमेंट स्कीम से पहली बार पर्यावरण के अनुकूल और सड़क दुर्घटनाओं से सुरक्षित सड़कों को बनाया जा रहा है। शहरी क्षेत्रों में 45 मीटर अथवा या उससे अधिक चौड़ाई की सड़कों का निर्माण नेशनल हाइवे या फिर स्टेट हाइवे आथारिटी ही करती थी। शहरी क्षेत्र में इस योजना में दस से 45 मीटर चौड़ी सड़कों के विकास के लिए कोई समर्पित योजना नहीं थी लेकिन अब मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्राक्चर डेवलपमेंट स्कीम से इस तरह की चौड़ी सड़कों को नगर विकास विभाग भी बना सकेगा।

यहां बनेंगी सड़कें

कालिदास चौराहा से सिविल अस्पताल होते हुए अटल चौक तक और डीएसओ चौराहा से लखनऊ चिड़ियाघर तक
गोल मार्केट से कपूरथला चौराहा (मंदिर मार्ग) व क्लासिक रेस्टोरेंट से महानगर ब्वायज स्कूल तक, आस्था अस्पताल से हनुमान मंदिर मार्ग तक
यूनिवर्सिटी रोड से हनुमान सेतु धाम रोड से वाया आरएलबी रोड चौराहा (कालाकांकर रोड) तक
पुरनिया अलीगंज रोड से सुलभ शौचालय, सावित्री अपार्टमेंट होते हुए मामा चौराहा तक और सावित्री अपार्टमेंट से कुर्सी रोड पेट्रोल पंप तक

महाकुंभ मेला क्षेत्र में होगी 'नेत्र कुंभ' की स्थापना

श्रद्धालुओं और स्नानार्थियों की सुविधा और सेवा के लिए योगी सरकार की पहल

» नेत्र कुंभ की परियोजना पर 9.15 करोड़ रुपए की आएगी कुल लागत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ/प्रयागराज। योगी सरकार प्रयागराज में होने जा रहे ऐतिहासिक महाकुंभ 2025 को भव्य, दिव्य, सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए दिन रात काम कर रही है। महाकुंभ में श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। इसी क्रम में मेला प्रशासन द्वारा महाकुंभ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं एवं स्नानार्थियों के लिए नेत्र कुंभ की स्थापना भी की जा रही है। 9 करोड़ से अधिक धनराशि से स्थापित होने वाला यह नेत्र कुंभ (नेत्र शिविर) श्रद्धालुओं को एक अस्थाई नेत्र देखभाल सुविधा प्रदान करेगा, जहां मेले के दौरान श्रद्धालुओं की दृष्टि सुधार, मोतियाबिंद सर्जरी और चश्मे का वितरण जैसी सेवाएं प्रदान की जाएंगी। नेत्र कुंभ के लिए एक बड़ी केंद्रीय इकाई मुख्य मेला क्षेत्र में स्थापित की जाएगी जो प्राथमिक नेत्र देखभाल केंद्र के रूप में कार्य करेगी।

हजारों श्रद्धालुओं को मिलेगा लभ

महाकुंभ 2025 में रिकॉर्ड संख्या में पूरे देश और दुनिया से श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। योगी सरकार और मेला प्रशासन इन श्रद्धालुओं के लिए महाकुंभ को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए अपनी ओर से शत प्रतिशत प्रयास कर रहा है। नेत्र कुंभ की स्थापना उसी दिशा में उठाया गया कदम है। इसके लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में 9.15 करोड़ रुपए से अधिक का बजट प्रस्तावित किया गया है। इसके माध्यम से महाकुंभ के दौरान स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की नेत्र देखभाल सुरक्षित की जा सकेगी। यदि किसी श्रद्धालु को मोतियाबिंद सर्जरी की आवश्यकता होगी तो उसका भी प्रबंध किया जाएगा। वहीं नेत्र चेकअप के साथ ही चश्मे का वितरण भी सुनिश्चित किया जाएगा। हजारों श्रद्धालुओं को इसका लाभ मिल सकेगा।

नेत्र स्वास्थ्य और नियमित जांच के प्रति किया जाएगा शिक्षित

यह नेत्र कुंभ पूरी तरह श्रद्धालुओं की पहुंच में होंगे। तीर्थयात्रियों की आसान पहुंच के लिए इसे रणनीतिक रूप से कुंभ मेला परिसर के अंदर ही स्थापित किया जाएगा। इस नेत्र कुंभ में तीर्थयात्रियों और संतों की व्यापक स्तर पर आंखों की जांच सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए शिविर में नेत्र परीक्षण के लिए आवश्यक आधुनिक उपकरणों को लगाया जाएगा। जांच के दौरान दृष्टि दोष वाले व्यक्तियों को चश्मा वितरित किया जाएगा, जबकि जिन मामलों में अधिक गंभीर समस्या पाई जाएगी वहां भागीदार अस्पतालों में मोतियाबिंद सर्जरी और अन्य आवश्यक उपचार की व्यवस्था की जाएगी। नेत्र देखभाल सेवाओं के साथ-साथ पहल का उद्देश्य लोगों को नेत्र स्वास्थ्य और नियमित जांच के महत्व को समझाना और उन्हें शिक्षित करना है।

डिजिटली सुरक्षित रखा जाएगा रोगियों का डाटा

कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं और स्नानार्थियों की जांच के माध्यम से एकत्र किए गए नेत्र स्वास्थ्य डाटा को डिजिटली सेव किया जाएगा। इससे रोगियों की स्थिति पर नजर रखने और आवश्यकता पड़ने पर इसका फॉलोअप किया जा सकेगा और आवश्यक देखभाल प्रदान करने में मदद मिलेगी। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जाएगा। यहां पर्याप्त संख्या में नेत्र विशेषज्ञों को भी नियुक्त किया जाएगा और आवश्यक उपकरणों के साथ ही पर्याप्त मात्रा में दवाइयों की भी उपलब्धता रहेगी।

मदरसों की वित्तीय सहायता रोकने के निर्देश पर भड़के अजय राय, कहा- गड़बड़ी की जांच की जाए

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की ओर से राज्यों को मदरसों की वित्तीय सहायता रोके जाने के लिए पत्र भेजने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। राय का कहना है कि सभी मदरसों की वित्तीय सहायता रोका जाना व उन्हें बंद किया जाना कतई उचित नहीं है। जिन मदरसों में कहीं गड़बड़ी है, उसकी जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई जरूरी है।

केवल गड़बड़ मदरसों को ही बंद कराया जाना चाहिए। सभी मदरसों पर एकतरफा कार्रवाई से वह सहमत नहीं हैं और इसका विरोध करेंगे।एनसीपीसीआर ने कहा है कि मदरसे आरटीई अधिनियम की शर्तों का पालन नहीं कर रहे हैं। एनसीपीसीआर के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने सभी राज्यों को पत्र भेजकर मदरसों व मदरसा बोर्डों की वित्तीय सहायता रोकने व उन्हें बंद कराने की सिफारिश की है।

अजय राय ने भाजपा पर भी निशाना साधा

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि ऐसे निर्देश व्यावहारिक नहीं हैं। एनसीपीसीआर को अपना बयान वापस लेना चाहिए। अजय राय ने भाजपा पर भी निशाना साधा। राय ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत के बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार तथा हिंदुओं को संगठित व सशक्त होने के बयान पर सवाल उठाया। कहा, उन्हें यह भी बताना चाहिए कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना कहां हैं। भाजपा सरकार को पूरे देश को यह बताना चाहिए बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में क्या कदम उठाए गए। कहा, हिंदू पहले भी संगठित था और अब भी है। अब हिंदू भाजपा को वोट नहीं दे रहे हैं, इसलिए परेशानी है। भाजपा लोगों को बांटने का काम करती है।

पहले मदरसों का इतिहास जाने

एनसीपीसीआर बरेलवी मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष हमेशा मदरसों के विरुद्ध जांच पड़ताल करते रहते हैं। कोई न कोई बहाना बनाकर उनको कठघरे में खड़ा करते हैं। उनसे मदरसों का इतिहास जानने की जरूरत है। वर्ष 1857 की क्रांति में अंग्रेजों के विरुद्ध फतवा देने वाले अल्लामा फजले हक खैराबादी मदरसे के ही छात्र थे। अभी मदरसों पर जो इल्जाम लगाया है, वो हकीकत से अलग है। लाखों मदरसों में अगर कोई एक मदरसा गलत कार्य करता मिलता है तो उसके विरुद्ध कार्रवाई होनी चाहिए लेकिन सभी मदरसों को बदनाम नहीं किया जाना चाहिए।

क्षत्रिय जाति नहीं वह क्षत्रप है जो जान को भी दांव पर लगाता: प्रदीप सिंह

लखनऊ। क्षत्रिय कोई जाति नहीं बल्कि एक धर्म है। क्षत्रिय समाज का वह क्षत्रप है जो हर वर्ग के लोगों की सुरक्षा के लिए अपनी जान भी दांव पर लगा सकता है। देश का इतिहास गवाह है की क्षत्रियों ने समय आने पर राष्ट्र की सुरक्षा के लिए, सनातन की सुरक्षा के लिए अपने और अपने परिजनों को भी बलिदान कर दिया है। उक्त बातें आज विजयदशमी की अवसर पर उत्तर प्रदेश क्षत्रिय समन्वय समिति के प्रदेश संयोजक प्रदीप सिंह बब्बू ने कहीं। बब्बू राजाजीपुरम के क्षत्रिय भवन में श्रीराम क्षत्रिय सेवा समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष श्याम सिंह राठौर संरक्षक शिक्षाविद एसकेडी सिंह शौर्य फाउंडेशन के राम मूर्ति सिंह सी एल सिंह किरन कुमार सिंह विक्की, उत्तर प्रदेश अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश महामंत्री अरविंद मोहन सिंह, संगठन मंत्री प्रेम प्रकाश सिंह सहित हजारों लोग उपस्थित थे।

बीजेपी वरिष्ठ नेता ने शाने अवध सम्मान से व्यापारियों को नवाजा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के लोकप्रिय एवं वरिष्ठ नेता नीरज सिंह द्वारा 251 व्यापारियों को 'शाने अवध सम्मान' से नवाजा गया। इस दौरान सभी व्यापारियों को भाजपा सदस्यता अभियान के अंतर्गत लोगों को सदस्यता दिलाई गई।

आदर्श व्यापारी एसोसिएशन द्वारा 'असत्य पर सत्य की जीत' विजय दशमी के पावन पर्व पर 'विशाल व्यापारी सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। जिसमें वीआरएस लॉन, फैजुल्लागंज में किया गया कार्यक्रम में व्यापारी हित अथवा जनहित में कार्य करने वाले 251 व्यापारियों को 'शाने अवध सम्मान' से नवाज़ा गया । इस दौरान कार्यक्रम में नीरज सिंह जी एवं विशिष्ट अतिथि विधायक नीरज बोरा तथा अजय त्रिपाठी 'मुन्ना' पूर्व मेयर प्रत्याशी रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन आदर्श व्यापारी एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी द्वारा किया गया। नीरज सिंह द्वारा देश के विकास में व्यापारी समाज अतुलनीय योगदान बताया गया और व्यापारी समाज का आभार व्यक्त किया गया। नीरज बोरा द्वारा कोरोना काल में लॉक डाउन होने के बाद भी व्यापारी समाज द्वारा दी गई सराहनीय सेवाओं के बारे में बताया गया।

44वां राष्ट्रीय कलमवीर दिवस उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान में संपन्न

साहित्य एवं पत्रकारिता जगत की कई बड़ी हस्तियां हुई सम्मानित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के प्रतिष्ठित वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार डॉ. सुल्तान शाकिर हाशमी के जन्मोत्सव के मौके पर आयोजित 44वां राष्ट्रीय कलमवीर दिवस के रूप में हर्षोल्लास के साथ उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान में मनाया गया। जिसका आयोजन नवसृजन साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था,अ. भा.अगीत परिषद,अवध साहित्य अकादमी एवं मीडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।जिसमे डॉ. सुल्तान शाकिर हाशमी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर परिचर्चा की अध्यक्षता प्रो. डॉ. वी. जी. गोस्वामी, पूर्व अधिष्ठाता विधि संकाय विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय ने करते हुए कहा कि प्रिय डॉ. सुल्तान शाकिर हाशमी के व्यक्तित्व में मुझे साहित्य की गरिमा, पत्रकारिता की आभा एवं सर्वप्रिय समाज के निर्माण की चिंता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है,वे शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय एवं इतिहासकार के रूप में भी जाने जाते हैं, जबकि समाज सेवा इनका सबसे प्रिय क्षेत्र है जिसने इन्हें लोकप्रिय बना दिया है। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद डॉ दिनेश शर्मा, सांसद राज्यसभा एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश ने कहा कि जहां साहित्य ने हमेशा समाज को दिशा प्रदान की वही पत्रकारिता सदैव समाज का दर्पण रही है, डॉ सुल्तान शाकिर हाशमी ने दोनों क्षेत्रों में सराहनीय भूमिका निभाई है, जिसने उन्हें समाज सुधारक की पहचान से गौरवांवित किया है।आयोजन में अतिविशिष्ठ अतिथि के रूप में डॉ अम्मार रिजवी, पूर्व कार्यवाहक मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश ने कहा कि डॉ. सुल्तान शाकिर हाशमी हिन्दी, उर्दू एवं अंग्रेजी साहित्य एवं पत्रकारिता के एक चर्चित, लोकप्रिय एवं सम्मानित व्यक्तित्व के धनी और मेरे पुराने मित्र हैं, जिनकी सक्रियता ने हमेशा मुझे प्रभावित किया इन्होंने अदब और सहाफत को गौरव प्रदान किया है। इस अवसर पर प्रोफेसर डॉ. यशपाल सिंह जो हापुड़ से आएं थे उन्होंने कहा कि डॉ. सुल्तान शाकिर हाशमी बहुभाषी साहित्यकार, पत्रकार के साथ साथ कर्मठ,इमानदार एवं बेदाग छवि के समाजसेवी हैं, इन्होंने अपने साहित्य को कई भाषाओं में प्रस्तुत करके समाज को एक नया आयाम दिया है इनका शानदार व्यक्तित्व राष्ट्र की धरोहर है। कार्यक्रम में वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार उदय प्रताप सिंह, पूर्व सांसद राज्यसभा ने डॉ सुल्तान शाकिर हाशमी के अदब और शायरी को समाज में दिशा प्रदान करने वाली बताते हुए उन्हें कलमवीर दिवस एवं उनके जन्मदिन की मुबारकबाद देते हुए अपनी शायरी से समा बांध दिया।इस अवसर पर प्रोफेसर डॉ. अब्बास अली मेहंदी, कुलपति ईरा मेडिकल विश्वविद्यालय ने अपने विचार रखते हुए कहा कि डॉ सुल्तान शाकिर हाशमी नयी पीढ़ी के लिए अपनी शायरी, लेखन और पत्रकारिता से नयी दिशाएं देने में सफल रहे है वह बेहतरीन अदीब, शायर, सहाफी होने के साथ साथ बेहतरीन इंसान भी हैं। प्रोफेसर डॉ. अमित गोयल ने कहा कि डॉ. सुल्तान शाकिर हाशमी एक विद्वान एवं ख्यातिलब्ध लेखक है जिन्होंने अपने साहित्य के द्वारा समाज को बहुभाषी, विद्वतापूर्ण कृतियां प्रदान की जो शोधपरक भी हैं और जीवन दर्शन को स्पष्टतः से रेखांकित करती हैं। प्रोफेसर डॉ. साबिरा हबीब, पूर्व विभागाध्यक्ष रशियन भाषा, लखनऊ विश्वविद्यालय ने कहा कि डॉ. सुल्तान शाकिर हाशमी गजल प्रेमियों और अदबी दुनिया के लिए एक जाना माना नाम है वह हिन्दी उर्दू जबान की मिठास, आशा और अपेक्षा का अनूठा नाम है।डॉ अनिल कुमार मिश्र ने डॉ सुल्तान शाकिर हाशमी का परिचय प्रस्तुत करते हुए उन्हें राष्ट्र भक्ति, राष्ट्रीय एकता से ओतप्रोत गंगा जमुनी तहजीब का अग्रदूत बताया।कार्यक्रम में आए महेन्द्र प्रताप सिंह ष्भीष्मष रजिस्टर उच्च न्यायालय लखनऊ ने डॉ. सुल्तान शाकिर हाशमी से अपने सम्बंधों का उल्लेख करते हुए उन्हें हिन्दी, उर्दू एवं अंग्रेजी का महान लेखक एवं और पत्रकारिता का एक गौरवशाली स्तम्भ बताया इसी के साथ अनेक साहित्यकारों, पत्रकारों ने साहित्य,पत्रकारिता के बिगड़ते स्वारूप एवं डॉ. सुल्तान शाकिर हाशमी के गरिमामय व्यक्तित्व पर विस्तार से चर्चा की। मेजर जनरल ए.के. चतुर्वेदी ने डॉ सुल्तान शाकिर हाशमी और उनके पिता से अपने सम्बंधों को जोड़ते हुए कहा कि इनके जैसा समाज को समर्पित व्यक्ति ही इमानदार पत्रकारिता और अच्छा साहित्य पेश करके समाज में फैली बुराइयों को खत्म कर सकता है। इस समारोह के मीडिया प्रभारी अब्दुल वहीद ने बताया कि इस वर्ष कलमवीर चक्र सम्मान 2024 से सम्मानित होने वाली हस्तियों में पद्मा डॉ. विद्या बिन्दु सिंह, आत्म प्रकाश मिश्र, निदेशक दूरदर्शन, लखनऊ, वरिष्ठ पत्रकार उर्दू इब्राहिम अल्वी, वरिष्ठ पत्रकार शरत प्रधान, प्रोफेसर डॉ. यशपाल सिंह, सम्पादक उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, डॉ. सत्यदेव प्रसाद द्विवेदी श्पथिक, डॉ. शिव मंगल सिंह मंगल, प्रोफेसर डॉ. अमीत गोयल, पत्रकार जुबैर अहमद, नरेन्द्र भूषण, डॉ. आदर्श त्रिपाठी, डॉ. सिफत-उज-जोहरा, मनु बाजपेई इसी के साथ डॉ. रंगनाथ मिश्र सत्य की स्मृति में कलमवीर सम्मान 2024 पत्रकार जमील मलिक एवं हिन्दी, उर्दू के वरिष्ठ साहित्यकार ष् रमन लाल अग्रवाल की स्मृति सम्मान 2024 मेजर जनरल ए. के. चतुर्वेदी को दिया गया।

मंत्री नन्दी ने प्रयागराज के ऐतिहासिक दशहरा मेला में आए लोगों का किया स्वागत एवं अभिनन्दन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी' ने आर्यकन्या चैराहे पर न्यू एकता संघ रोशनी कमेटी के मंच से प्रयागराज के विश्व प्रसिद्ध दशहरा मेले में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों का प्रदेश सरकार की ओर से हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया। मंत्री नन्दी ने देर रात तक भ्रमण कर मेले में आए लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। देर रात तक निकलने वाली विभिन्न चैकियां मेले के आकर्षण का केंद्र रहीं। मंत्री नन्दी ने प्रयागराज की पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी के साथ ही परिवार के सदस्यों के साथ पूरी रात मेले का आनन्द लिया। विजयदशमी के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी राम वाटिका कटरा में आयोजित रामलीला मंचन समारोह में सम्मिलित हुए। जहां पहुंचने के बाद मंत्री नन्दी ने सर्वप्रथमरामचरितमानस की पूजा की और उपस्थित आम जनता एवं पदाधिकारियों को बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की जीत के पर्व दशहरा की शुभकामनाएं दी। कटरा के रामलीला में सम्मिलित होने के बाद मंत्री नन्दी स्वदेशी काटन मिल मैदान नैनी पहुंचे, जहां वे नैनी के दशहरा मेला में सम्मिलित हुए। मंत्री नन्दी ने नैनी के सार्वजनिक रामलीला समिति ट्रस्ट के मंच पर मर्यादा पुरूषोत्तम प्रभुराम एवं माता जानकी की आरती उतारी। सभी को विजयादशमी पर्व की शुभकामनाएं दी। मंत्री नन्दी कोरांव विधानसभा क्षेत्र के पैतिहा लखापुर गांव में आदर्श रामलीला कला मंदिर के दशहरा मेला और रामलीला मंचन समारोह में भी सम्मिलित हुए। मंत्री नन्दी ने अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के आर्यकन्या चैराहे पर न्यू एकता संघ रोशनी कमेटी के मंच से दशहरा मेले में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों का सपरिवार स्वागत एवं अभिनन्दन किया।

राजनीतिक उपस्थिति दर्ज कर पाएंगे प्रशांत किशोर?

पटना का ऐतिहासिक गांधी मैदान तमाम रैलियों का गवाह रहा है, लेकिन इस मैदान में आधी सदी के अंतर पर हुई दो रैलियों में कम से कम बिहार की अवाम एक समानता देख रही है। पांच जून 1974 को 72 साल के बुजुर्ग जेपी ने संपूर्ण क्रांति का नारा देकर इंदिरा की सर्वशक्तिमान सत्ता को उखाड़ने की पूर्व पीठिका रच दी थी। इस बार इंदिरा की सत्ता उखाड़ने जैसा कोई लक्ष्य तो नहीं है, लेकिन गांधी जयंती के अगले दिन तीन अक्टूबर को 47 साल के प्रशांत किशोर से बड़ी उम्मीदें लगा रखी हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या प्रशांत किशोर अपनी पार्टी के जरिए जनसुराज की बयार बिहार की धरती पर बहा पाएंगे या फिर बदलाव की राजनीति का दावा करने वाले दूसरे लोगों की तरह वे भी पारंपरिक राजनीति का ही हिस्सा बन जाएंगे? वैसे बिहार में ऐसे लोगों की कमी नहीं है, जिन्हें ठीक उसी तरह प्रशांत किशोर से उम्मीद नहीं है, जैसी नाउम्मीदी पारंपरिक दलों से है। बिहार की राजनीति के संदर्भ में प्रशांत किशोर की राजनीतिक पारी की पड़ताल करने से पहले एक सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या वे बिहार की राजनीति में तीसरा स्तंभ भी बन पाएंगे? बिहार में यूं तो छोटे-बड़े कई राजनीतिक दल हैं, लेकिन मोटे तौर पर राज्य की राजनीति दो खेमों में बंटी हुई है। राष्ट्रीय जनता दल की अगुआई वाले गठबंधन में तमाम तरह की वैचारिकी वाले कई दल शामिल हैं, जिनमें देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी तो है ही, वामपंथी दल भी हैं। वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी की अगुआई में नीतीश कुमार का जनता दल यू, जीतनराम मांझी की हम, उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा और चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी शामिल है। इस दो खेमे की राजनीति के बीच में यह सवाल उठना वाजिब है कि क्या प्रशांत किशोर इन दोनों गठबंधनों के बीच अपनी तीसरी राह बना पाएंगे ?

बिहार की राजनीति का जब भी संदर्भ आता है, गर्व भाव से उसे याद किया जाता है। प्रथम स्वाधीनता संग्राम में बिहार के बेटे ने कुंवर सिंह ने जहां देश को नई दिशा दिखाई, स्वाधीनता संग्राम में जयप्रकाश नारायण ने भी नौजवानों को उसी अंदाज में जगा दिया था। इन्हीं जयप्रकाश को दूसरी आजादी का नायक का भी सम्मान हासिल है। बिहार की राजनीति का जब भी बखान होता है, तब इन ऐतिहासिक चरित्रों के हवाले से यह दावा जरूर किया जाता है कि बिहार की राजनीति भविष्य की राजनीति को प्रभावित करती है। इसे उलटबांसी ही कहा जा सकता है कि जिस बिहार की धरती का गौरवबोध वैशाली के गणतंत्र से भर उठता है, जिसे बुद्ध और महावीर की धरती का गौरव हासिल है, उसी बिहार की धरती आज के दौर में जातिवादी राजनीति में ही अपना आज का गौरव ढूंढने में गर्व महसूस करती है। दिलचस्प यह है कि बिहार की राजनीति को लेकर गर्वबोध से भरा रहने वाला समाज भी अपनी धरातली सोच में जातिवादी बोध को अलग नहीं कर पाता। फिर भी बिहार में एक वर्ग ऐसा भी है, जो बिहार के मौजूदा पिछड़ेपन से चिंतित रहता है। जिसे इस यह बात सालती है कि उसके राज्य के हर गांव की जवान आबादी का बड़ा हिस्सा दुनियाभर में दिहाड़ी मजदूर बनने को मजबूर है। इसी वर्ग की उम्मीद बनकर प्रशांत किशोर उभरे हैं। प्रशांत किशोर से आस लगाए वर्ग को बिहार की दरिद्रता, बिहारी लोगों का राज्य के बाहर मिलने वाला अपमान सालता है। इसलिए वे चाहते हैं कि प्रशांत किशोर उभरें और राज्य की जाति-धर्म वाली राजनीति को बदलें। बिहार की बदहाली को दूर करें। किसी भी नया काम करने वाले को समाज पहले हंसी उड़ाता है, इसके बावजूद अगर वह रूका नहीं तो उसे कुछ उपलब्धियां हासिल होने लगती हैं। इससे समाज के स्थापित प्रभु वर्ग को परेशानी होने लगती है। तो वह उन उपलब्धियों की अनदेखी करने लगता है। फिर भी व्यक्ति रूकता नहीं तो उसकी उपलब्धियों को वही समाज नोटिस लेने लगता है और आखिर में उसे सर आंखों पर बैठा लेता है। प्रशांत किशोर इस प्रक्रिया के दो चरणों को पार कर चुके हैं। अब उनकी उपलब्धियों का बिहारी राजनीतिक दल नोटिस लेने लगे हैं। हालांकि उन्हें बार-बार पांडेय बताकर जातिवादी त्रिशूल से उन्हें बेधने की राजनीतिक कोशिश भी हो रही है। दिलचस्प यह है कि उनके ब्राह्मण होने का प्रचार बार-बार आरजेडी की तरफ से हो रहा है। जिसका पूरा राजनीतिक वजूद ही मुस्लिम और यादव समीकरण पर टिका है। प्रशांत किशोर ने दो साल तक लगातार बिहार की पदयात्रा की है। जनसुराज यात्रा के नाम से हुई इस यात्रा के जरिए उन्हें ज्यादातर उत्तरी बिहार को अपने कदमों तले नापा है। इसके जरिए उन्होंने अपना बड़ा समर्थक वर्ग तैयार किया है। जिसमें जाति और धर्म से इतर सोचने वाले युवाओं की अच्छी-खासी फौज है। तीन अक्टूबर को पटना के गांधी मैदान में इस वर्ग की उपस्थिति जहां प्रशांत किशोर से आस लगाने का आधार उपलब्ध कराती है तो बिहार के दूसरे पारंपरिक दलों के लिए चिंता का सबब भी बनती है। इसी चिंता से बिहार के पारंपरिक दल चिंतित हैं। राजनीतिक दल उस दल के उभार से ज्यादा चिंतित होते हैं, जिनसे उनके पारंपरिक आधार वोट बैंक के छीजने का खतरा ज्यादा होता है। लेकिन प्रशांत किशोर हर वर्ग के उन युवाओं के प्रेरणा केंद्र बनते दिख रहे हैं, जिनके लिए बिहार का बदलाव प्राथमिक लक्ष्य है।

'तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं बचेगा', कहने वाली महबूबा की पार्टी का झंडा उठाने वाला कोई नहीं बचा

महबूबा मुफ्ती ही वही शख्स हैं जिन्होंने कहा था कि यदि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया गया तो राज्य में तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं होगा। लेकिन अब स्थिति यह है कि जम्मू-कश्मीर में हर हाथ में तिरंगा है

नीरज कुमार दुबे

पहले इस साल हुए लोकसभा चुनावों में और अब जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) को जो झटका लगा है उसके चलते इस पार्टी के अस्तित्व पर ही खतरा मंडराने लगा है। देखा जाये तो अपने संस्थापक मुफ्ती मोहम्मद सईद के निधन के बाद से पीडीपी एक भी जीत हासिल नहीं कर पाई है। मुफ्ती मोहम्मद सईद के बाद उनकी बेटी महबूबा मुफ्ती ने पार्टी और सरकार की कमान तो संभाली लेकिन ना वह सरकार चला पाईं ना ही अपनी पार्टी को आगे बढ़ा पाईं। महबूबा मुफ्ती के पास कितना राजनीतिक कौशल है इसका अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि मुफ्ती मोहम्मद सईद के साथ वर्षों तक काम कर चुके कई बड़े नेता पीडीपी छोड़ चुके हैं। इसके अलावा, इस साल हुए लोकसभा चुनावों में महबूबा मुफ्ती अनंतनाग-राजौरी सीट से चुनाव हार गयीं और अब उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती दक्षिण कश्मीर की बिजबेहरा सीट से चुनाव हार गयीं। यही नहीं, महबूबा ने अपने भाई तस्सदुक हुसैन मुफ्ती को भी राजनीति में स्थापित करने का प्रयास किया लेकिन विफल रहीं।

हम आपको याद दिला दें कि महबूबा मुफ्ती ही वही शख्स हैं जिन्होंने कहा था कि यदि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया गया तो राज्य में तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं होगा। लेकिन अब स्थिति यह है कि जम्मू-कश्मीर में हर हाथ में तिरंगा है और महबूबा की पार्टी का झंडा उठाने वाला कोई नहीं है। इस बार महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने या किंगमेकर बनने के उद्देश्य से चुनाव लड़ा था लेकिन जनता ने उनकी किसी उम्मीद को पूरा नहीं होने दिया। जनता ने जिस तरह पीडीपी के गढ़ माने जाने वाले बिजबेहरा में महबूबा की बेटी को करारी शिकस्त दी है वह दर्शाता है कि कट्टरपंथियों और आतंकवाद के प्रति नरम रुख अपनाने वालों के दिन अब राजनीति में लद चुके हैं। हम आपको याद दिला दें कि चुनावों के बीच ही महबूबा ने प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी पर से प्रतिबंध हटाने की मांग की थी। चुनावों के दौरान एक तरह से अलगाववादियों को उनका खुला समर्थन साफ नजर आ रहा था लेकिन जनता ने किसी भी अलगाववादी को विधानसभा नहीं पहुँचने दिया। वर्ष 2016 से 2018 तक मुख्यमंत्री रहीं महबूबा ने इस बार चुनाव नहीं लड़ा था। उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती अपने पहले विधानसभा चुनाव

में श्रीगुफवारा-बिजबेहरा सीट से हार गईं। महबूबा को उम्मीद थी कि उनकी पार्टी पीडीपी क्षेत्रीय राजनीति में प्रासंगिक बने रहने के लिए पर्याप्त सीट जीतेगी। वैसे पार्टी की उम्मीदें कम होने का संकेत इल्तिजा ने चुनाव से पहले ही दे दिया था जब उन्होंने कहा था कि ''पीडीपी किंगमेकर होगी'' क्योंकि चुनाव में त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति बनेगी। पीडीपी की इस करारी हार पर इल्तिजा मुफ्ती ने कई कारणों को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि हमारे 25 विधायक, दो राज्यसभा सदस्य और कई मंत्री पार्टी से चले गए और उनके साथ ही हमारे कार्यकर्ता भी पार्टी छोड़कर चले गए। उनका कहना है कि हमारी पार्टी पर हुआ यह हमला इस हार का सबसे बड़ा कारण है। हम आपको बता दें कि इस बार के विधानसभा चुनाव में पीडीपी ने कुल 84 सीटों पर चुनाव लड़ा था जिनमें से उसे मात्र तीन सीटों पर जीत मिली है। पीडीपी का यह प्रदर्शन दर्शा रहा है कि महबूबा अपने पिता की पार्टी को रसातल में पहुँचा चुकी हैं।

देखा जाये तो आतंकवादियों के जनाजे में शामिल होती रहीं महबूबा मुफ्ती के परिवार की वजह से ही जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद बढ़ा लेकिन इन लोगों ने हमेशा आतंकवादियों का बचाव किया और उनके प्रति नरम रुख बनाये रखा। हम आपको याद दिला दें कि मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी और महबूबा मुफ्ती की बहन रुबैया सईद जब 1989 के अपने अपहरण से जुड़े मामले में साल 2022 में सीबीआई की विशेष अदालत के समक्ष पेश हुई थीं तो उस दौरान उन्होंने सिर्फ जेकेएलएफ प्रमुख यासीन मलिक की पहचान अपने अपहरणकर्ताओं के रूप में की। उन्होंने किसी अन्य को नहीं पहचाना था। इस पर महबूबा ने कहा था कि लंबा वक्त बीत जाने पर लोग बहुत कुछ भूल जाते हैं। हम आपको याद दिला दें कि 1989 में अपहरणकर्ताओं ने उन्हें पांच आतंकवादियों की रिहाई के बदले रिहा किया था। 1990 के दशक की शुरुआत में इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। रुबैया का अपहरण घाटी के अस्थिर इतिहास की एक प्रमुख घटना माना जाता है। उनकी आजादी के बदले जेकेएलएफ के पांच सदस्यों की रिहाई को आतंकी समूहों का मनोबल बढ़ाने वाले कदम के रूप में देखा गया था, जिन्होंने उस समय सिर उठाना शुरू किया था। रुबैया को आठ दिसंबर 1989 को श्रीनगर के लाल डेड अस्पताल के पास से अगवा कर लिया गया था। 13 दिसंबर 1989 को केंद्र की तत्कालीन वीपी सिंह सरकार द्वारा पांच आतंकियों को रिहा किए जाने के बाद अपहरणकर्ताओं ने उन्हें रिहा कर दिया था।

हम आपको बता दें कि विधि स्नातक 56 वर्षीय महबूबा ने 1996 में अपने पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद के साथ कांग्रेस में शामिल होकर राज्य की मुख्यधारा की राजनीति में प्रवेश किया था। यह वह समय था जब आतंकवाद अपने चरम पर था। वह पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य की पहली और अंतिम महिला मुख्यमंत्री थीं। 65 वर्षीय पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने अपनी पार्टी को पुनर्जीवित करने की उम्मीद में उम्मीदवारों के लिए सक्रिय रूप से प्रचार किया था लेकिन जनता ने उनकी बात नहीं सुनी। वैसे वर्ष 1996 में अपने पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद के साथ राजनीति में आईं महबूबा ने पीडीपी को एक क्षेत्रीय राजनीतिक शक्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसने न केवल नेशनल कॉन्फ्रेंस का मुकाबला किया बल्कि क्षेत्र की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी को उसके गठन के चार साल के भीतर सत्ता से बाहर कर दिया था। वर्ष 2002 में 16 सीटें जीतने वाली पीडीपी के विधायकों की संख्या 2008 में 21 और 2014 के विधानसभा चुनाव में 28 हो गई थी। महबूबा चार बार विधायक रह चुकी हैं। उन्होंने 1996, 2002, 2008 के आम चुनाव और 2016 के उपचुनाव में जीत दर्ज की। वह 2004 और 2014 के चुनाव में लोकसभा के लिए चुनी गई थीं। बहरहाल, अपना अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रही पीडीपी को चाहिए कि वह अपनी सोच और नीतियों में बदलाव लाये और देश के साथ खड़ी हो। पीडीपी को देखना चाहिए कि जिस पाकिस्तान से बातचीत की वह बार-बार हिमायत करती है उसने इस बार के चुनाव में पीडीपी का नहीं बल्कि नेशनल कांफ्रेंस का समर्थन कर दिया था। देखा जाये तो इसे ही कहते हैं ना घर के रहे ना घाट के।

अजब-गजब

नौकरी के लिए डाली थी अर्जी 48 साल बाद ऐसे आया जवाब, पोस्ट ऑफिस की इस गलती ने बदल दी जिंदगी

आप सभी ने वो वाला शेर तो जरूर सुना होगा 'बहुत देर की मेहरबां आते-आते' इसके अपने-अपने मायने हो सकते हैं। दाग देहलवी के इस शेर का हर कोई अपने-अपने हिसाब से मायने निकाल सकता है क्योंकि ये एक दर्द को बयां करता है। ऐसी ही एक कहानी इन दिनों लोगों के बीच सुर्खियों में है, जहां ये शायरी एक जॉब अर्जी के लिए एकदम सटीक बैठती है क्योंकि नौकरी के लिए तो महिला ने जवानी में अप्लाई किया था, लेकिन इसका जवाब में आने में पूरे 48 साल का समय लग गया और जब ये जवाब आया तो उस नौकरी का कोई मतलब नहीं रह गया।

हम बात कर रहे हैं इंग्लैंड की रहने वाली टिजी हॉडस के बारे में, जिन्होंने अपनी 22 साल की उम्र में एक नौकरी के लिए अप्लाई किया था। इसे अप्लाई करते हुए उन्हें उम्मीद थी कि इसका जवाब जल्द ही आएगा और उन्हें नौकरी मिल जाएगी। लेकिन ऐसा हुआ नहींइस नौकरी के इंतजार में उसकी उम्र निकल गई। इसका अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि इस नौकरी के लिए अप्लाई तो युवा टिजी ने किया था, लेकिन जवाब बूढ़ी टिजी को आया।

इस कहानी को जानने के बाद आप यही कहेंगे कि इनके ऊपर वो वाली लाइन इंतजार करने वाले के ना जाने कितने बसंत, कितनी पतझड़ें, और कितनी लंबी रातें इस इंतजार में गुजर गईं, और आखिर में जब जवाब आया तो उस इंतजार का कोई मतलब ही न रहा। अंग्रेजी वेबसाइट बीबीसी में छपी एक रिपोर्ट में बताया गया कि वो फिलहाल इंग्लैंड के लिंकनशायर के गेडने हिल में रहती हैं। जहां उसको इस नौकरी का जवाब में एक लिफाफा आया। जैसे ही उन्होंने उस खत को पढ़ा, सारी सच्चाई सामने आ गई, और उन्हें 48 साल बाद पता चला कि उनकी अर्जी का जवाब आने में इतनी देर क्यों हुई। एक रिपोर्ट के मुताबिक टीजी हमेशा से एक स्टंटवुमैन बनना चाहती थी। 1976 में, वो एक मोटरसाइकिल स्टंट राइडर बनना चाहती थीं और उन्होंने जनवरी 1976 में इसी नौकरी के लिए आवेदन किया था।इसको सही पते पर पहुंचने में इतना समय इसलिए लग गया क्योंकि पोस्ट ऑफिस की एक दराज के पीछे फंसा हुआ था, जिसकी वजह से वो डिलीवर नहीं हो पाया। हालांकि टिजी को इस नौकरी से कोई फर्क नहीं पड़ा। उनके करियर पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने अपने जीवन में कई बाइक स्टंट किए और नाम कमाया।

संपादक की कलम से

त्योहार में मिलने वाली मिठाइयों से लेकर व्रत और रोजमर्रा के चीजों में मिला है 'मिलावट का जहर'

प्रभात पांडेय

त्योहारी सीजन शुरू होते ही मिलावट खोर सक्रिय हो जाते हैं। व्रत त्योहार शुरू होते ही मिलावटी पनीर और मावे की मिठाइयों के मिलने या कुट्टू के आटे से बनी चीज़ें खाने से लोगों के बीमार होने की खबरें आने लगती हैं। अक्सर त्योहारी सीजन के आसपास अधिकारी हलवाई और थोक विक्रेताओं की दुकान पर छापेमारी कर मिलावटी पनीर, मावा बरामद करते रहे हैं। अधिकारियों ने लोगों से मिलावटी सामान की जानकारी मिलने पर शिकायत की अपील की है।

गाजियाबाद में इसी कारण मंगलवार को 62 लोग अस्पताल पहुंच गए। इसके बाद जागी खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमों ने एनसीआर के मार्केट में छापेमारी अभियान शुरू कर दिया। इसी के तहत नोएडा में नकली घी और पनीर पकड़ में आया। अब जब मार्केट और वहां से हज़ारों घरों में ये सब सामान पहुंच चुका है, तब ऐसी छापेमारी और सैंपल एकत्र करने की कवायद का क्या मतलब है?

इस समय त्योहारी सीजन चल रहा है। बाजार में मिठाइयों की बिक्री शुरू हो गई है। आने वाले कुछ दिन में मिठाई की दुकानों पर भीड़ जमा होनी शुरू हो जाएगी। इस समय लागत कम करने और ज्यादा मुनाफे के चक्कर में कई दुकानदार मिलावटी मावे, दूध सहित अन्य खाद्य पदार्थों से बनी मिठाई बेचते हैं। त्योहारों पर मिठाई बनाने के लिये इस्तेमाल होने वाले सामान की मांग सौ गुना बढ़ जाती है. जबकि उत्पादन एक मात्रा में ही होता है. मांग को पूरा करने के लिये मिलावटखोर सक्रिय हो जाते हैं. जो सिंथेटिक मावा, खोया,दूध, दही पनीर बनाकर लाखों रुपए का मुनाफा कमाते हैं. जबकि इन सिंथेटिक सामान से बनने वाली मिठाइयों से लोग बीमार होकर गंभीर बिमारियों का शिकार हो जाते हैं.

दूध के नाम पर जहर बेचने का सिलसिला खत्म नहीं हो रहा। दूध में मिलावट जारी है और मिलावटखोर लोगों की सेहत और उनकी जिंदगी के साथ जमकर खिलवाड़ कर रहे हैं। शहर की कई बड़ी दुकानों पर नकली दूध बनाने का सामान खुलेआम बिक रहा है। माल्टा (सफ़ेद पेस्ट) व बोरियों में ग्लूकोज की बिक्री हो रही है। माल्टा यानी सफेद पेस्ट या ये कहिए तैयार नकली दूध, जिसे एक टैंकर में एक लीटर डालने भर से एक टैंकर नकली दूध तैयार हो जाता है। इसे अधिक चिकना व वास्तविक जैसा बनाने के लिए रिफाइंड, हल्की मिठास के लिए ग्लूकोज, झाग के लिए इजी व अन्य डिटरजेंट, कलर के लिए केमिकल्स आदि का प्रयोग किया जाता है। यह सारा सामान खुलेआम शहर की कई बड़ी दुकानों पर बिक रहा है, दुकानदारों को जानकारी है कि क्षेत्र में कौन नकली दूध का कारोबार करता है लेकिन कभी कोई चेकिंग नहीं होती। माल्टा आदि पेस्ट की बिक्री भी कभी रोकने का प्रयास नहीं किया गया। बड़े-बड़े ड्रमों में मात्रा के अनुसार माल्टा मिलाकर सिंथेटिक दूध तैयार कर लिया जाता है, इसमें गर्म किया गया इजी व अन्य डिटरजेंट पाउडर, रिफाइंड आदि डालते हैं, ताकि दूध में भरपूर झाग व चिकनाई बन सके। कुछ मात्रा में वास्तविक दूध व मिल्क क्रीम को भी मिलाते हैं, इसके बाद नकली दूध को पहचानना काफी कठिन होता है। इसके प्रयोग अधिकांशतः पनीर व मिल्क पाउडर बनाने में किया जाता है। इसका सेवन करने से फूड पॉयजनिंग, किडनी और लिवर की बीमारी, दस्त हो सकता है.

कुछ महीनों पहले बुलंदशहर में नकली दूध का कारोबार करने वाले बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ था। यहां से पूरे दिल्ली एनसीआर में यह दूध सप्लाई हो रहा था। इससे पहले राजस्थान के अलवर से भी तीन हज़ार लीटर नकली दूध पकड़ा गया था। देश की संसद में बताया जा चुका है कि तीन में से दो भारतीय रिफाइंड तेल, यूरिया, कास्टिक सोडा और डिटर्जेंट से बना नकली दूध पी रहे हैं। पानी की मिलावट तक तो ठीक था, पर केमिकल की यह मिलावट हमारी आंतों, किडनी और लिवर को नुकसान पहुंचाने के साथ हड्डियां कमज़ोर कर रही है।

तिरुपति मंदिर के लड्डू प्रसादम् में भी मिलावट मामला सामने आया है यह भयावह और बेहद चिंताजनक है। यह करोड़ों हिंदुओं की आस्था को छिन्न भिन्न करने वाला है। आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर के प्रसादम लड्डू में घी की जगह फिश ऑयल और जानवरों की चर्बी की मिलावट के आरोप के बाद तिरुपति बालाजी के प्रसाद को लेकर आस्था पर आघात जैसी बातें सामने आ रही थीं।

आज के जमाने में मिलावट से कोई भी खाद्य पदार्थ अछूता नहीं बचा है। हरी सब्जियों का सेवन कितना फायदेमंद होता है, यह बात किसी से छुपी नहीं है। अक्सर सलाद के तौर पर कच्ची सब्जियों के सेवन की सलाह दी जाती है। मगर ज्यादा चमकदार और ताजा दिखाने के लिए सब्जियों को सिंथेटिक रंगों से रंगकर बाजार में बेचा जा रहा है, जो कि सेहत के खिलाफ काफी नुकसानदेह है। इसके सेवन से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

आज के समय में खाने पीने की हर चीज में मिलावट देखने को मिलती है। ज्यादातर लोगों ने अब तक शक्कर, दालों और दूध के बारे में सुना होगा, लेकिन सब्जियां और फल भी इससे अछूते नहीं हैं। बाजार में मिल रहीं मिलावटी सब्जी और फल लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल रहे हैं। कुछ व्यापारी सब्जियों को जल्दी पकने के लिए कीटनाशकों का इंजेक्शन लगाते हैं। कुछ सिंथेटिक रंग या मैलाकाइट का हरा और मोम का लेप मिलाते हैं। सब्जियों और फलों में पेस्टिसाइड, पोल्ट्री प्रॉडक्ट्स में एंटीबायोटिक्स तो पानी में लेड और आर्सेनिक पाया जा रहा है। स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी की हालिया रिसर्च के दौरान देश के 17 शहरों से लिए गए फूड सैंपल में बड़ी मात्रा में मेटल पाया गया। पिछले साल संसद में प्रस्तुत डेटा बताता है कि एक साल में एकत्रित खाद्य पदार्थों के सैंपल में 25 फीसदी से अधिक मिलावटी पाया गया।

तिरुपति लड्डू विवाद के बाद साफ है कि जब भगवान का प्रसाद ही शुद्ध नहीं बचा तो आम लोगों के खाने-पीने का सामान कैसे बचेगा। जो मिलावटी खाना हमें बीमार कर रहा है, उसके इलाज के लिए दी जाने वाली दवाएं भी सुरक्षित नहीं रह गई हैं। पिछले हफ्ते ही गाजियाबाद के पास पिलखुवा में बिना लाइसेंस के चल रही एक फैक्ट्री में छापा मारकर 25 लाख रुपये की नकली पैरासिटामोल और एंटीबायोटिक दवाएं पकड़ी गईं। इन्हें नामी कंपनियों के रैपर लगाकर मार्केट में बेचा जा रहा था। इससे पहले भी यहां गैस और मधुमेह की नकली दवा बनाने के कारोबार का फंडाफोड़ हुआ था। दो महीने पहले मुरादाबाद में आयुर्वेद की नकली दवाओं की फैक्ट्री पकड़ में आई थी।

पांच लाख मांगे, जान से मारने की धमकी, संभल में कांग्रेस नेता पर लगे आरोप

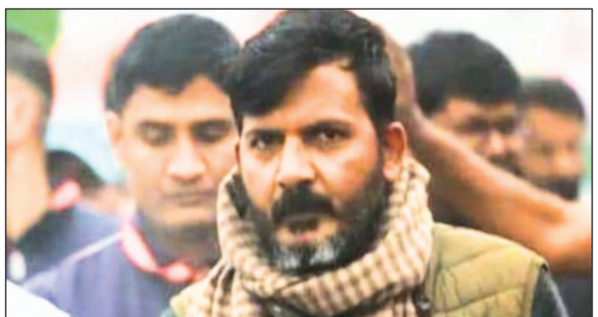

आर्यावर्त संवाददाता

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में कांग्रेस जिलाध्यक्ष पर उनके भाई समेत तीन लोगों के खिलाफ रंगदारी मांगने का केस दर्ज हुआ है। पूरा मामला कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजय शर्मा के गांव मौहम्मदपुर टांडा का है। एफआईआर के अनुसार संभल कोतवाली के गांव के शख्स का आरोप है कि वह अपने प्लाट की पुरानी बाउंड्रीबाल पर काम करवा रहा था। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अपने भाई और सहयोगियों के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने वहां चल रहे काम का विरोध किया।

गांव के शख्स का आरोप है कि उन्होंने निर्माण कार्य को करने के लिए पांच लाख की रंगदारी मांगी और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ति ने कांग्रेस नेता पर पूर्व से आपराधिक मामले बताते हुए अपनी हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने इस मामले में कांग्रेस जिलाध्यक्ष एवं उनके भाई समेत तीन लोगों के खिलाफ नामजद केस दर्ज किया है।

निर्माण को बताया अवैध

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने निर्माण को अवैध बताया और कहा कि उन्होंने परिवार समेत मौके पर धरना दिया था। वहीं, पिछले दिनों कांग्रेस जिलाध्यक्ष के खिलाफ नौकरी लगाने के नाम पर ठगी का भी एक केस दर्ज हुआ था। सदर कोतवाली पुलिस ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजय शर्मा समेत तीन अन्य के खिलाफ प्लाट विवाद में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि विजय शर्मा ने पीड़ित देशराज सिंह को धमकाया।

तहरीर में यह जानकारी दी गई है कि मोहम्मदपुर के टांडा के रहने वाले देशराज सिंह ने प्लाट पर निर्माण शुरू किया था। पुलिस का कहना है कि देशराज ने 22 दिसंबर 2014 को गांव के ही श्यामलाल से प्लाट का बैनामा कराया था, जिस पर पहले से ही बाउंड्री बनी हुई थी। कुछ दिनों पहले निर्माण शुरू किया, तो इनके गांव के ही रहने वाले और कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजय शर्मा, सुभाष शर्मा, सुधीश शर्मा अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचे और विरोध किया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने पीड़ित पक्ष पर दबाव बनाने के लिए एसडीएम दफ्तर पर परिवार के साथ धरना भी दिया। लेकिन, एसडीएम और सीओ ने उन्हें वहां से उठा दिया

दोनों पक्षों से पूछताछ जारी

सदर कोतवाली के अनुज कुमार की तहरीर के आधार पर के दर्ज करते हुए अब जांच की जा रही है और साक्ष्य इकट्ठे किए जा रहे हैं। संभल सदर कोतवाली इलाके के टांडा का ये मामला अब इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है और आगे की कार्यवाही के लिए दोनों पक्षों से बयान लिए जा रहे हैं। विजय शर्मा और उनके भाइयों ने उनसे 5 लाख रुपये की रंगदारी की मांग की थी। पीड़ित का कहना है कि जब उन्होंने यह राशि देने से इनकार किया, तो विजय शर्मा ने उन्हें प्लाट पर कोई निर्माण कार्य न होने देने की धमकी दी।

नौकरी दिलाने के नाम पर रुपए लेने का आरोप इससे पहले भी एक सिपाही के बेटे ने मुकदमा दर्ज कराया था, जिसमें केस दर्ज किया गया था। सिपाही के बेटे से 5.150 लाख रुपए ठगने का आरोप है। पुलिसकर्मी मुनीश गौड़ के बेटे नितीश गौड़ से रेलवे में नौकरी लगवाने का झांसा देकर 5.150 लाख रुपये ठग लिए। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने एसपी से गुहार लगाई। एसपी के आदेश पर पुलिस ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजय शर्मा व चंदौसी की संस्कार बैली कॉलोनी की रक्षा रानी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

अलीगढ़ में भीषण सड़क हादसा, बुलंदशहर के चार युवकों की मौत, काली मेला देखने गए थे चारों दोस्त

आर्यावर्त संवाददाता

बुलंदशहर। मथुरा के कोसीकलां में पत्नी के साथ काली मेला देखने गए पति की पुलिसकर्मियों ने धुनाई लगा दी, जिससे युवक के कान का परदा फट गया। चिकित्सकीय परीक्षण कराने सीएचसी गए युवक से पुलिसकर्मी चिट्ठी मंजनून छीन ले गए। घायल युवक को उपचार के लिए भर्ती कराया गया। पूरे मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, बुलंदशहर के डिबाई के गांव दौलतपुर खुर्द से काली मेला देखने गए चार दोस्तों की सड़क हादसे में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि शनिवार रात को गांव के रहने वाला विकास अपने दोस्त सुनील, यश शर्मा और रवि के साथ एक बाइक पर सवार होकर अलीगढ़ के क्षेरत क्षेत्र में काली मेला देखने गए थे।

मेला देखकर लौटने के दौरान जवां थाना इलाके के छेरत स्थित गेस्ट हाउस के पास ट्रैक्टर ट्राली से उनकी बाइक भिड़ गई। हादसे में मौके पर ही चारों की मौत हो गई। अलीगढ़ पुलिस की सूचना पर पहुंचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। चारों युवकों की मौत से गांव में मातम पसर गया।

चारों दोस्त 19 साल से लेकर 22 साल तक के उम्र के हैं। दौलतपुर गांव में कोहराम मचा है। गांव में परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। युवकों के घर ग्रामीणों और रिश्तेदारों की भीड़ लगी हुई है।

संभल में रावण दहन के बाद राख लेने के लिए मची भगदड़, पुलिस ने भांजी लाठियां

आर्यावर्त संवाददाता

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में रावण दहन के दौरान एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया है। रावण दहन के दौरान कुछ लोग रावण के पुतले की लकड़ियों को निकालने के लिए पुतले की ओर दौड़े, लेकिन इतने में ही पुतले में लगा पटाखा तेजी से फटा और लोगों के बीच भगदड़ मच गई। ऐसी मान्यता है कि अगर कोई भी रावण के पुतले की जली हुई लकड़ी या फिर राख को घर में रखाता है, तो उस घर में सुख-शांति और समृद्धि आती है। सभी तरह की परेशानियों से वह परिवार दूर रहता है।

संभल जिले के कुरुक्षेत्र मैदान में उस समय हड़कंप मच गया, जिस समय रावण के पुतले में लगा बम तेज आवाज के साथ फटा। दशहरे के दिन रावण के रावण के पुतले में आग लगी ही थी कि कुछ लोग रावण के जलते हुए पुतले की ओर लकड़ी लुटने के लिए दौड़े, लेकिन अचानक से पुतले में लगा पटाखा फटा और मैदान में भगदड़ मच गई। दरअसल, रावण के पुतले में लगे पटाखे फट्टे ही लोगों की भीड़ इधर-उधर भागने लगी। अच्छी बात यह रही कि भगदड़ में कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।

रावण के पुतले के जले हुए अवशेषों को लेने के लिए लोग पुतले की ओर भागे, लेकिन पटाखा फटते ही मैदान में भगदड़ मच गई। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने बल का सहारा लेते हुए लाठीचार्ज किया, लेकिन फिर भी लोग नहीं रुके और जलते हुए पुतले की ओर और भागते चले गए। ऐसी मान्यता है कि जो भी लोग रावण के पुतले की लकड़ी को घर लाते हैं, उनके घर में नकारात्मक शक्तियां कमजोर पड़ जाती है। घर में सुख-शांति और समृद्धि होती है।

पुतले की जली हुई लकड़ी के लिए भागे लोग

इन्हीं कारणों की वजह से लोग बड़ी संख्या में रावण के पुतले की लकड़ी को लेने के लिए भागे थे। वहीं, कुछ लोगों का मानना है कि रावण के पुतले की जली हुई लकड़ी को घर नहीं लाना चाहिए क्योंकि वह शव के जले हुए अवशेषों की तरह होती है और हिंदू धर्म में जले हुए अवेशषों को घर में रखना अशुभ माना जाता है।

जूना अखाड़ा देगा महामंडलेश्वर की उपाधि, मंदिर-मठ की जिम्मेदारी मिलेगी

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ में दलित समाज से 71 संत महामंडलेश्वर बनेंगे। महामंडलेश्वर की उपाधि जूना अखाड़ा देगा। इन सभी संतों ने दो से तीन साल पहले अखाड़े में संन्यास लिया था। महामंडलेश्वर बनने के बाद इन्हें अखाड़े के मठ-मंदिरों की जिम्मेदारी दी जाएगी।

इसके पीछे मुख्य वजह धर्मांतरण रोकना है। सबसे ज्यादा ईसाई मिशनरी एससी- एसटी का धर्मांतरण करा रहे हैं। वहीं, बौद्ध धर्म भी तेजी से इस समाज में पैठ बना रहा है। इसे देखते हुए जूना अखाड़ा के संत मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, केरल, महाराष्ट्र और गुजरात पर फोकस कर रहे हैं। यहां आदिवासी- अनुसूचित जाति की आबादी अच्छी-खासी है।

इसके पहले जूना अखाड़ा ने 2018 में अनुसूचित जाति के कन्हैया प्रभुनंद गिरि को महामंडलेश्वर बनाया था।

पांचवीं की छात्रा का फंदे पर लटका मिला शव, रोते हुए मां बोली- सुबह बेटी कर रही थी जिद...

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के गीडा थाना क्षेत्र से सनसनीखेज मामला सामने आया है.यहां देईपार में एक घर में पांचवीं की छात्रा का शव फंदे पर लटका मिला. परिजन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. परिजन ने पुलिस को बताया कि बेटी सुबह मोबाइल चलाने के लिए मांग रही थी. मां ने मोबाइल नहीं दिया तो उसने सुसाइड कर लिया.

गीडा थानाक्षेत्र के पिपरौली बाजार के देईपार चौराहे पर बालापार कस्बे के निवासी हैदर और रुखसाना पिछले 10 सालों से सूरज वर्मा के मकान में किराए का कमरा लेकर रहते हैं. गीडा इंडस्ट्रियल एरिया की एक फैक्ट्री में दोनों काम करते हैं.

हर दिन की तरह आज सुबह बच्चों को नाश्ता कराकर टिफिन लेकर अपनी 11 साल की बच्ची तमन्ना और तीन साल के छोटे बच्चे तैमूर को घर में छोड़कर दंपती नौकरी करने चले गए. मां दोपहर बाद घर पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद था. बार-बार खटखटाने के बाद भी दरवाजा नहीं खुल रहा था. ऐसे में वह परेशान हो गई. फिर जैसे-तैसे दरवाजा खोता. वह अंदर पहुंची तो वहां का नजारा देखकर सन्न रह गई.

बेटी का शव फंदे पर लटका हुआ था. फिर मां रोने लगी. रोनी की आवाज सुनकर आसपास के लोग भी दौड़े-दौड़े आए. अंदर छज्जे में निकले सरिया से बेटी तमन्ना का शव दुपट्टे से लटका हुआ था. उसने पति को सूचना दी. जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस भी पहुंच गई. मां-बाप का कहना है कि सुबह हंसी-खुशी हम लोग काम पर गए थे. मां ने पुलिस को बताया कि बेटी ने मोबाइल घर पर छोड़ने की जिद की थी. मैंने कहा दोपहर को आऊंगी तो मोबाइल दूंगी. घरवालों ने आशंका जताई है कि इसी वजह से बच्ची ने फांसी लगाकर जान दे दी.

पांचवीं की छात्रा थी

तमन्ना पिपरौली बाजार के प्राथमिक विद्यालय में कक्षा पांच की छात्रा थी. पिता गीडा इंडस्ट्रियल एरिया में प्लाई फैक्ट्री और मां ब्रेड फैक्ट्री में काम करती हैच. दम्पती का एक तीन साल का बेटा है. माता-पिता का रो-रो कर बुरा हाल है. मां बता रही थी कि दशहरा की छुट्टी थी, इस नाते बेटी घर पर थी, अन्यथा स्कूल चली जाती. मुझे थोड़ा भी इस घटना को लेकर आभास होता कि बेटी मोबाइल के लिए इतना बड़ा कदम उठा लेगी तो मैं उसे एक नहीं, दो मोबाइल खरीद कर दे देती. इस संबंध में एसपी नार्थ जितेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि मां-बाप यदि शिकायत करते हैं तो आत्महत्या के अलावा अन्य दूसरे पहलुओं पर पुलिस जांच करेगी. वैसे आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सच्चाई जानने का प्रयास किया जा रहा है.

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर भीषण हादसा, कार एक्सिडेंट में अफगानी-रूसी महिला समेत 3 की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

ईटावा। उत्तर प्रदेश के ईटावा में आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर भीषण हादसा हुआ है। इस हादसे में एक अफगानी और एक रूसी महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं 3 लोग जख्मी हो गए। इनमें भी तीन लोगों की हालत नाजुक है। फिलहाल इन सभी घायलों को सैफई के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक कार में सवार यह सभी लोग लखनऊ से कार में सवार होकर दिल्ली जा रहे थे। इस दौरान एक्सप्रेस वे पर यह कार बहुत तेज रफ्तार में जा रही थी। इसी दौरान इनकी कार अनियंत्रित हो गई और आगे चल रही गाड़ी में टक्कर मार दिया।

यह हादसा इटावा जिले में आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर माइलस्टोन 125 के पास खरगुआ गांव के पास हुआ। इटावा से एसएसपी संजय कुमार के मुताबिक यह सभी लोग लखनऊ से कार में सवार होकर दिल्ली के लिए जा रहे थे। इस हादसे में इनकी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। इस हादसे में कार के ड्राइवर संजीव कुमार, तीन सगी बहनें क्रिस्टन उर्फ तबस्सुम (20), आतिफा (25), नाज (30) के अलावा कैथरीन और राहुल गंभीर रूप से घायल हो गए।

सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी में भर्ती कराया

हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची यूपीडा और ऊसराहार थाने की पुलिस ने सभी घायलों को सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान नाज, कैथरीन और कार चालक संजीव कुमार की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि सभी घायलों और मृतकों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। देर रात हुए इस हादसे के तत्काल बाद इटावा मुख्यालय से पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सत्यपाल सिंह, उप जिलाधिकारी विक्रम सिंह राघव, ताखा उप जिलाधिकारी श्वेता मिश्रा और उसराहार थाना प्रभारी मंसूर अहमद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

मूल रूप से दिल्ली की रहने वाली है अफगानी महिला

इन अधिकारियों ने तत्काल राहत कार्य शुरू कराया है। पुलिस के मुताबिक कार का चालक संजीव कुमार पुत्र राजवीर सिंह दिल्ली में तुगलकाबाद एक्सटेंशन थाना गोविंदपुरी का रहने वाला था। उसका पड़ोसी राहुल भी उसके साथ दिल्ली से लखनऊ घूमने के लिए गया था। इनके साथ अफगानिस्तान में रहने वाली मूल रूप से जंगपुरा दिल्ली की तीन सगी बहनें क्रिशटीन, आतिफा और कुमारी नाज भी लखनऊ गई थीं। इनके साथ रूसी महिला कैटरीना भी थी।

हैवान भाई ने बहन से किया रेप, गर्भवती होने पर खिलाई ऐसी दवा, बिगड़ गई तबीयत

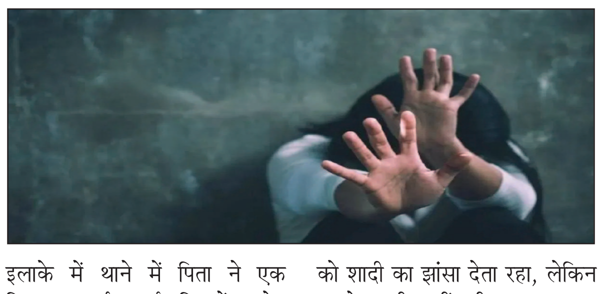

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के भगतपुर में नाबालिग लड़की के साथ रिश्तेदार ने हैवानियत की घटना को अंजाम दिया है। जब आरोपी को इसका पता चला तो उसने अपनी मां और भाई की मदद से दवा के नाम पर उसे एसिड की टेबलेट खिला दी है। एसिड की टेबलेट खाने की वजह से पीड़िता की हालत बेहद ज्यादा गंभीर है।

उसे इसे इलाज के लिए आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पर पीड़िता की हालत बेहद ही गंभीर बनी हुई है। पीड़िता आरोपी की घटना को लेकर पीड़िता के घरवालों ने भरतपुर थाने में शिकायत दी है, इसके बाद पुलिस केस दर्ज करके मामले की जांच कर रही है। पीड़िता आरोपी की ममेरी बहन है।

मुरादाबाद जिले के भगतपुर इलाके में थाने में पिता ने एक शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया है कि उनकी बेटी को एसिड की टेबलेट दी गई थी, जिसकी वजह से उसकी हालत गंभीर है। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दरअसल, भगतपुर में रहने वाले जावेद नाम के युवक ने अपनी मां के घर पर आने-जाने के दौरान आरोपी जावेद ने नाबालिक को डरा धमका कर उसके साथ रेप किया। इस पूरी घटना को 8 महीने बीत गए थे, इस दौरान कविता गर्भवती हो गई थी। आरोपी पीड़िता को शादी का झांसा देता रहा, लेकिन उसने शादी नहीं की। कुछ समय बाद पीड़िता ने गर्भवती होने की जानकारी जैसे ही आरोपी जावेद को दी, उसने गर्भपात की दवा खिलाने के नाम पर एसिड की टेबलेट अपनी मां और भाई की मदद से दे दी है, दवाई खाने से पीड़िता की हालत बेहद ज्यादा बिगड़ गई।

पुलिस अधीक्षक ने क्या कहा?

भगतपुर थाने में दर्ज में मुकदमे को लेकर पुलिस अधीक्षक देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि थाना भगतपुर में एक रिपोर्ट दर्ज कराई गई है, जिसमें एक युवक ने युवती को गर्भपात के नाम पर एक टैबलेट दे दी। उसके टैबलेट में एसिड था। टैबलेट खाते ही युवती की हालत बहुत ज्यादा बिगड़ गई है। गंभीर अवस्था में पीड़ति को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। पीड़ति का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए मुकदमा रजिस्टर कर लिया गया है।

पुलिस के मुताबिक, इस मामले में तीन लोगों पर आरोप लगाए गए हैं, जिसमें तीनों लोगों के खिलाफ मुकदमा रजिस्टर किया गया है। फिलहाल, भगतपुर पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। भगतपुर पुलिस की जांच में जो भी तथ्य सामने निकल कर आएंगे उनके आधार पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

पत्नी के सामने पति की पिटाई...पुलिसकर्मियों को नहीं आया रहम, जड़े इतने थप्पड़, फट गया कान का परदा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मथुरा। मथुरा के कोसीकलां में पत्नी के साथ काली मेला देखने गए पति की पुलिसकर्मियों ने धुनाई लगा दी, जिससे युवक के कान का परदा फट गया। चिकित्सकीय परीक्षण कराने सीएचसी गए युवक से पुलिसकर्मी चिट्ठी मंजनून छीन ले गए। घायल युवक को उपचार के लिए भर्ती कराया गया। पूरे मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार गोपाल नगर निवासी अमित वर्मा अपनी पत्नी दुर्गेश के साथ रविवार की रात बल्देवगंज चौराहे पर काली मेला देखने आया था। वहां भीड़ का दबाव अधिक होने के चलते पुलिसकर्मी भीड़ को तितर-बितर कर रहे थे, तभी एक सिपाही ने अमित से मारपीट कर दी। मारपीट होते देख वहां अन्य पुलिसकर्मी आ गए और अमित पर टूट पड़े। वहां खड़ी पत्नी मदद की गुहार लगाती रही, लेकिन पुलिसकर्मी हैवान बन गए।

पुलिसकर्मियों की पिटाई से अमित के कान का परदा फट गया और शरीर में चोटें आई। इसकी शिकायत जब थाने पहुंचकर दी तो पहले तो चित्सिकीय परीक्षण करने के लिए भेज दिया। आरोप है कि जब वह चिकित्सकीय परीक्षण कराने सीएचसी पहुंचे तो पुलिस कर्मी वहां भी पहुंच गए, जहां से परीक्षण नहीं होने दिया। अमित को गंभीर हालत में उपचार के लिए निजी हॉस्पीटल में भर्ती कराया गया है। प्रभारी निरीक्षक का कहना था कि अगर कोई शिकायत मिलेगी तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

माओवादियों को हथियार सप्लाई करने का आरोप, गोपनीय ऑपरेशन के बाद सूरज और सुधीर गिरफ्तार

प्रयागराज। खुफिया एजेंसी एनआईए ने प्रयागराज से दो लोगों को अरेस्ट किया है। एनआईए ने छत्तीसगढ़ में प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) को हथियार सप्लाई करने के मामले में यह कार्रवाई की। करीब 3 घंटे के गोपनीय ऑपरेशन के बाद टीम ने सुधीर त्रिपाठी और सूरज निषाद को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई इतनी गोपनीय रही कि प्रयागराज के पुलिस अधिकारियों ने मामले की जानकारी न होने की बात कही। एनआईए दोनों आरोपियों को लेकर लखनऊ पहुंची। इसके बाद केस का खुलासा किया गया। एनआईए ने जिन दो प्रमुख आरोपियों को पकड़ा है, वो दोनों प्रयागराज के रहने वाले हैं। सुरक्षा एजेंसी के अधिकारियों का कहना है कि दर्ज केस आरसी-01/2023/एनआईए/ आरपीआर में दो और अभियुक्तों की गिरफ्तारी के बाद कुल संख्या 6 हो गई है।

यति नरसिंहानंद के समर्थन में बुलाई गई महापंचायत, परामिलिट्री फोर्स और पुलिस तैनात

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद. डासना मंदिर के महंत महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद सरस्वती ने हाल ही में पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ विवादित बयान दिया था। इस के बाद मंदिर पर कथित हमले किए गए थे, जिसके चलते यति नरसिंहानंद के समर्थन में और मंदिर पर हमलों के खिलाफ लोनी से बीजेपी विधायक नंदकिशोर गुर्जर और हिन्दू संगठनों ने रविवार को महा पंचायत का ऐलान किया था। बुलाई गई महा पंचायत और विवाद को लेकर बीजेपी विधायक नंद किशोर गुर्जर और हिंदू संगठनों ने गाजियाबाद पुलिस प्रशासन को उनकी मांगों को पूरी करने के लिए 1 सप्ताह का समय दिया है।महंत महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद सरस्वती ने हाल ही में एक ऐसा बयान दिया था जिससे मुस्लिम समुदाय आहत हो गया था।जहां एक तरफ मुस्लिम समुदाय के लोगों की तरफ से महंत की गिरफ्तारी की मांग की जा रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ लोनी से बीजेपी विधायक नंदकिशोर गुर्जर और हिन्दू संगठनों ने रविवार को नरसिंहानंद के समर्थन में एक महा पंचायत का ऐलान किया था।

पुलिस ने लागू की धारा 163

महंत यति नरसिंहानंद ने जो विवादित टिप्पणी की थी उसके बाद से सियासत गरमा गई है। इसी के चलते प्रशासन ने कानून व्यवस्था के मद्देनजर गाजियाबाद में BNS की धारा 163 लगा दी थी और महापंचायत की इजाजत नहीं दी थी, लेकिन इसके बावजूद भी महापंचायत का ऐलान किया गया। महापंचायत के ऐलान के बाद से ही पुलिस अलर्ट मोड पर थी। साथ ही पुलिस इस बात को लेकर भी सतर्क थी कि दोनों समुदाय आपस में न भिड़ जाए।

महापंचायत के ऐलान के बाद से ही अलर्ट मोड पर आई पुलिस ने डासना इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया। मंदिर जाने वाले सभी रास्ते ब्लॉक कर दिए गए और कई टुकड़ी परामिलिट्री फोर्स के साथ-साथ जिले की पुलिस भी इलाके में तैनात कर दी गई। पंचायत में हिस्सा लेने आए लोगों का कहना है कि यह बहुत प्राचीन मंदिर है। यहां सभी मनोकामना पूरी होती है। मंदिर कमेटी ने महापंचायत बुलाई है। इसलिए यहां पंचायत होगी। प्रशासन ने रोक लगाई है लेकिन पंचायत होगी। हमें बुलाया गया है। संगठनों की मांग है कि मंदिर पर पथराव करने वालों पर कार्रवाई हो।डासना मंदिर को छावनी में तब्दील कर प्रशासन ने किसी को भी मंदिर तक जाने की इजाजत नहीं दी। विधायक नंद किशोर गुर्जर दिल्ली-मेरठ नेशनल हाईवे 9 पर जाम लगाकर बैठ गए थे। प्रशासन ने काफी समझा-बुझाकर माहौल को शांत किया। फिलहाल हाईवे को खाली कर दिया गया है।

यति नरसिंहानंद ने क्या बयान दिया था?

भारी तादाद में लोग जुटे हैं जिन पर काबू करने का काम पुलिस बल कर रहा है। महंत यति नरसिंहानंद ने 29 सितंबर को मुस्लिम समाज के पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ टिप्पणी की थी, उनकी इस टिप्पणी के बाद बवाल मच गया। यति नरसिंहानंद ने गाजियाबाद के लोहियानगर में आयोजित एक कार्यक्रम में एक आपत्तिजनक टिप्पणी कर कहा था, दशहरा पर रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद का पुतला नहीं जलाए और पैगंबर के खिलाफ बयान दिया, जिसको लेकर मुस्लिम समाज में नाराजगी है। नरसिंहानंद के बयान के सामने आने के बाद सपा सांसद इकरा हसन ने कहा था कि यति नरसिंहानंद ने नबी की शान में गुस्ताखी की है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही उन्होंने नरसिंहानंद के खिलाफ UAPA, NSA की के तहत कार्रवाई करने की मांग की थी। साथ ही AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी नाराजगी जाहिर करते हुए यति नरसिंहानंद सरस्वती की गिरफ्तारी की मांग की थी।

भारत की ये जगहें ठंड में हो जाती हैं और खूबसूरत, पुकारा जाता है कोल्ड विंटर डेस्टिनेशन

मौसम चाहे जो भी हो अगर बात किसी प्राकृतिक जगह पर घूमने की आए तो लोग समंदर की बजाय पहाड़ों को ज्यादा चुनना पसंद करते हैं और सर्दी के मौसम में तो पहाड़ों की खूबसूरती और भी ज्यादा बढ़ जाती है। बर्फबारी के दौरान पहाड़ो की चोटियां जैसे सफेद चादर से ढक जाती हैं तो चलिए जान लेते हैं ऐसी ही जगहों के बारे में।

गर्मियों में लोग ठंड से राहत पाने के लिए हरियाली भरी जगह की तलाश करते हैं तो वहीं सर्दियां शुरू होते ही लोग ऐसी जगह जाना चाहते हैं जहां वो हरियाली के खूबसूरत नजारों के साथ ही स्नोफॉल का लुत्फ भी उठा सकें।

अभी अक्टूबर चल रहा है और रात के वक्त हल्की सर्दी होना शुरू हो गई है तो वहीं नवंबर के महीने में सर्दी और बढ़ने लगेगी, जिससे कई जगहों पर स्नोफॉल भी शुरू हो जाएगा। पहाड़ी जगहें वैसे तो हर मौसम में दिल को लुभाती हैं, क्योंकि यहां का शुद्ध वातावरण, शांति और चारों तरफ प्रकृति की छटाएं भागदौड़ भरी जिंदगी में सुकून भर देती हैं। फिलहाल कुछ ऐसी जगह हैं जिनकी खूबसूरती सर्दियों में और भी ज्यादा बढ़ जाती है।

इस सर्दी के मौसम में उन जगहों की ट्रिप प्लान करना चाहते हैं जहां पर बर्फबारी भी हो रही हो या फिर मौसम की पहली बर्फबारी का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो कुछ जगहों को अपनी बकेट लिस्ट में शामिल कर सकते हैं और दोस्तों या फिर फैमिली के साथ कुछ दिनों की ट्रिप पर जा सकते हैं तो चलिए जान लें वो कौन सी जगहें हैं, जिनकी नेचुरल ब्यूटी सर्दियों में और भी ज्यादा आकर्षित करती है।

गुलमर्ग और पहलगाम

वैसे तो कश्मीर को भारत का स्वर्ग कहा जाता है और यहां की हर एक जगह इतनी खूबसूरत है कि कोई भी यहीं बस जाना चाहेगा। फिलहाल अगर आप सर्दियों में कश्मीर जाने का प्लान कर रहे हैं तो गुलमर्ग जरूर घूमना चाहिए। इसके अलावा पहलगाम जरूर जाएं। ये जगहें स्केटिंग प्रेमियों के लिए तो जन्नत हैं।

अरुणाचल प्रदेश का तवांग

पूर्वी हिमालय में बसें तवांग की ब्यूटी सर्दियों में और भी बढ़ जाती है। आप सर्दी के मौसम की शुरुआत में भी यहां पर स्नोफॉल का लुत्फ उठा सकते हैं। बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच यहां पर बने मठों पर जाना आपके लिए बेहतरीन एक्सपीरियंस रहेगा। तवांग न सिर्फ नेचुरल ब्यूटी की वजह से आपके लिए सुकून भरी जगह है बल्कि आध्यात्मिक शांति की तलाश है तो भी यहां पर विजिट करना चाहिए।

डलहौजी

हिमाचल प्रदेश की ब्यूटी तो कमाल की है ही, वहीं सर्दियों में यहां पर आपको डलहौजी जरुर विजिट करना चाहिए। यहां पर पहाड़ों की हरियाली और उसपर छाई हल्की धुंध, चारों तरफ बर्फ से ढकी पहाड़ों की चोटियां देवदार के जंगल दिल को खुश करने के लिए काफी हैं।

औली उत्तराखंड

सर्दियों में स्नोफॉल का लुत्फ उठाना है तो आप उत्तराखंड के औली जा सकती हे हैं। यहां सर्दियों की शुरुआत में भी बेहद अच्छा लगता है। औली से बेहतरीन हिमालय का बेहतरीन दृश्य दिखाई देता है तो वहीं यह जगह रोपवे के लिए भी फेमस है। आप औली आकर नंदा देवी पर्वत के दर्शन भी कर सकते हैं।

स्पीति वैली

हिमाचल प्रदेश में स्थित स्पीति वैली की खूबसूरती भी सर्दियों में और ज्यादा बढ़ जाती है। यहां पर आप मठ जा सकते हैं और झीलों की सैर कर सकते हैं। इसके अलावा यहां आप सर्दियों में चंद्रताल जरूर घूमें, जिसे मूनलेक भी कहा जाता है। यह सर्दियों में जम जाती है, इसलिए शानदार नजारा दिखाई देता है।

सर्दियों में अगर आप बर्फबारी का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो इन पांच जगहों पर जा सकते हैं। यहां आप प्रकृति के बीच सुकून भरा वक्त तो बिता ही सकते हैं साथ ही में एडवेंचर भी कर सकते हैं।

जिम या डाइटिंग के बिना भी तेजी से घटा सकते हैं वजन, बस आज से ही खाना शुरू करते हैं पपीता

आजकल खराब खानपान और लाइफस्टाइल की वजह से वजन बढना और मोटापा आम समस्या बन चुकी है। इसकी वजह से तोंद बाहर निकल आता है, जो पर्सनालिटी को भद्दा बनाता है। यही कारण है कि वजन कम करने लोग हर तरकीब आजमाते हैं। कई-कई घंटे जिम में पसीना बहाते हैं, डाइटिंग करते हैं। बावजूद इसके वजन कम नहीं हो पाता है।

ऐसे में पपीता आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। यह वेट लॉस में मददगार हो सकता है। पपीते में कई ऐसे पोषक तत्व होते हैं, जो वजन कंट्रोल करने में मददगार होते हैं। इसमें फाइबर की मात्रा ज्यादा और कैलोरी काफी कम होती है। इस कारण चर्बी घटाने और वजन कम करने में पपीता को कोई तोड़ नहीं है। इसे चार तरह से अपने डाइट में शामिल कर सकते हैं...

पपीते के जूस बनाकर पिएं

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो पपीते का जूस बनाकर पी सकते हैं। इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर की चर्बी घटाकर फिटनेस को अच्छा बनाता है। पपीते का सेवन पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने का काम करता है।

ब्रेकफास्ट में पपीता शामिल करें

वजन कम करने के लिए ब्रेकफास्ट में पपीता शामिल करना चाहिए। इससे शरीर को एनर्जी मिलती है और एक्स्ट्रा चर्बी कम होती है। सुबह के नाश्ते में पपीते को स्लाइट में काटकर उस पर काला नमक और काली मिर्च डालकर भी खा सकते हैं।

दूध और पपीते का सेवन

ब्रेकफास्ट में कुछ हैवी खाना है तो दूध और पपीता खाना फायदेमंद हो सकता है। मिक्सी में एक गिलास दूध और पपीते के स्लाइस डालकर उसे ब्लेंड करें। कुछ ड्राई फ्रूट्स और नट्स भी डाल सकते हैं। इससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है और बार-बार भूख नहीं लगती है। जिससे वजन कम हो जाता है।

पपीता और दही खाएं

पपीते को दही के साथ मिलाकर खाना भी फायदेमंद माना जाता है। यह स्वाद से भरपूर औ़र वजन घटाने में मददगार होता है। एक बाउल दही में पपीता और ड्राई फ्रूट्स मिलाकर उसका सेवन कर सकते हैं। इससे शरीर को पोषक तत्व मिलता है और वजन भी तेजी से घट सकता है।

फ्रूट डाइट को फॉलो करना फायदेमंद है या नुकसानदायक?

आज के समय में लोग अपनी सेहत पर बहुत ध्यान देने लग गए है। वो हेल्दी और फिट रहने के लिए एक्सरसाइज के साथ ही कई तरह के डाइट लेते हैं। इसमें से एक फ्रूट डाइट भी है। ये सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद साबित हो सकती है। आइए जानते हैं एक्सपर्ट से फ्रूट डाइट के फायदों के बारे में

आजकल लोग अपनी सेहत को लेकर सजग होते जा रहे हैं। फिट रहने के लिए एक्सरसाइज और डाइट फॉलो करते हैं। कीटो, मेडिटेरियन, इंरमिटेंट, डैश डाइट, लो कार्ब औरलिक्वीड कई तरह की डाइट होती हैं। इनमें एक फ्रूट डाइट भी शामिल है। इसमें कई तरह के फलों का सेवन किया जाता है। फल हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। क्योंकि इनमें ज्यादा मात्रा में विटामिन, खनिज, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं जो शरीर के लिए काफी जरूरी होती हैं।

फलों में सेब, केला, संतरा, अनार, आम, तरबूज और कई तरह फल शामिल होते हैं। ये स्वादिष्ट और पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। जैसे कि संतरे में विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो इम्यूनिटी को बढ़ाने में मददगार होता है। ऐसे ही हर फल अपने गुण और स्वाद को लेकर बहुत प्रसिद्ध होता है। कुछ लोग फ्रूट डाइट फॉलो करते हैं। इसके कई फायदे हो सकते हैं। आइए जानते हैं एक्सपर्ट से इसके फायदे और नुकसान के बारे में

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

आयुर्वेद एक्सपर्ट किरण गुप्ता का कहना है कि फ्रूट डाइट कैसे की जा रही है और क्यों की जा रही है और कौन कर रहा है ये निर्भर करता है। जिस देश में आप रह रहें हैं तो फ्रूट डाइट में उसी जगह के स्थानीय फलों का उपयोग होना चाहिए। एकदम ठंडा फल नहीं खाने चाहिए। साथ ही चाशनी या चीनी मिलाकर किसी भी फल का उपयोग नहीं करना चाहिए।

एक्सपर्ट का कहना है कि जब कोई व्यक्ति अन्न छोड़कर फलों का सेवन करता है, तो इससे शरीर में विटामिन और मिनरल की जरूरत पूरी हो जाती है। इससे एक्स्ट्रा फैट जैसे कि वजन और पेट की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में मदद मिलती है, चेहरे पर ग्लो आता है साथ ही लिवर और किडनी को डिटॉक्स करने में मदद मिलती है। जैसे कि कई लोग 9 दिन केला और दूध का सेवन करते हैं इससे हाई बीपी को कंट्रोल करने में मदद मिलती है लेकिन जिन लोगों का बीपी पहले से ही लो रहता है ऐसे में उनके शरीर में नमक की कमी हो सकती है जिससे उनका बीपी कम हो सकता है। साथ ही शुगर के मरीज के लिए भी ये सही नही है। ऐसे में अपने शरीर के मुताबिक ही फलों का चयन करना होता है।

फ्रूट डाइट पर रहने के लिए हमेशा सीजन फलों का सेवन करना चाहिए। साथ ही एक ही समय में एक ही फल खाएं तो ज्यादा सही रहेगा। ऐसे में अगर कोई व्यक्ति पूरा दिन में एक ही तरह का फल खाता है तो उसे कल्प कहा जाता है। जैसे कि अंगूर के दिनों में अंगूर कल्प, नाश्पती की सीजन में नाश्पती कल्प। कल्प में नमक और चीनी को शामिल नहीं किया जाता है। ऐसे में अगर आप मौसम्बी का सेवन कर रहे हैं और उससे बोर हो गए हैं तो मौसम्बी का जूस पी सकते हैं। लेकिन इसमें नमक और चीनी नहीं मिलानी चाहिए। ऐसे में ये फ्रूट डाइट फायदा करती हैं।

फ्रूट डाइट को हमेशा ही सही तरीक और शरीर की जरूरत के मुताबिक ही लेना चाहिए। इसके लिए आप अपना हेल्थ चेकअप करवा के पहले किसी एक्सपर्ट से इसके बारे में सलाह करें। इसके बाद ही इसे फॉलो करना चाहिए। एक्सपर्ट आपके शरीर की जरुरत के मुताबिक आपके शरीर की जरूरत के मुताबिक सही फल और कितने दिन तक डाइट फॉलो करनी है इसकी सही सलाह देंगे। अगर फ्रूट डाइट करने का तरीका गलत हो, तो इससे सेहत को नुकसान भी हो सकता है।

कारखानों की हड़ताल के बीच आई बुरी खबर, बोइंग ने लिया दुनिया भर में 17000 लोगों की छंटनी का फैसला

कंपनी के इस फैसले से लगभग 17 हजार कर्मचारियों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ेगा। बोइंग के इस फैसले से उसके उत्पादन में भी देरी होगी।

हवाई जहाज बनाने वाली कंपनी बोइंग के कर्मचारियों के लिए बुरी खबर सामने आई है। बताया जा रहा कि कंपनी ने अपने 10 फीसदी कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का फैसला लिया है। इसके पीछे का कारण कारोबार में लगातार जारी दबाव और कर्मचारियों की हड़ताल से बढ़ता नुकसान है।

कंपनी के इस फैसले से लगभग 17 हजार कर्मचारियों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ेगा। बोइंग के इस फैसले से उसके उत्पादन में भी देरी होगी। मुख्य कार्यकारी केली ऑर्टबर्ग ने ईमेल के जरिए कहा, वैश्विक स्तर पर होने वाली इस छंटनी में हर स्तर के कर्मचारी, जिसमें एग्जीक्यूटिव, मैनेजर और कर्मचारी सभी शामिल होंगे। यहां तक कि बोइंग ने अपने हथियार और सैन्य उपकरण बनाने वाले व्यापार में भी घाटे की चेतावनी दी है। साथ ही कंपनी ने अपने नए जहाज 777एक्स की डिलिवरी तारीखों को भी आगे बढ़ा दिया है। इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ मशीनिस्ट्स एंड एयरोस्पेस वर्कर्स के बोइंग कर्मचारियों ने अनुबंध प्रस्ताव को भारी बहुमत से अस्वीकार कर 13 सितंबर को काम छोड़ दिया।

क्या है मामला?

कंपनी फिलहाल करीब 33 हजार कर्मचारियों की हड़ताल से जूझ रही है जो बीते तीन हफ्ते से जारी है। इससे कामकाज पर बुरा असर पड़ा है। इस हड़ताल का असर कंपनी के सबसे ज्यादा बिकने वाले विमानों के उत्पादन पर भी देखने को मिला है। कर्मचारी की यूनियन 14 सितंबर से हड़ताल पर हैं। कंपनी और यूनियन के बीच बातचीत का भी कोई हल नहीं निकला है। स्थिति ये है कि पिछले महीने ही बोईंग नेशनल लेबर रिलेटेड बोर्ड के सामने यूनियन के खिलाफ अर्जी देकर शिकायत की है कि यूनियन हितों की अनदेखी करते हुए अड़ियल रवैया अपना रही है।

प्रति शेयर 9.97 डॉलर का नुकसान

बोइंग ने कहा कि हड़ताल के कारण तीसरी तिमाही में उसके वाणिज्यिक विमानन परिणामों पर पूर्व कर तीन अरब डॉलर का बोझ पड़ा, जो प्रति शेयर 9.97 डॉलर के अनुमानित नुकसान का एक हिस्सा है।

हमारी कंपनी के भविष्य के लिए यह जरूरी: ऑर्टबर्ग

ऑर्टबर्ग ने बताया, 'जब हमारा कारोबार चुनौतियों का सामना कर रहा है, ऐसे में हम अपने भविष्य के लिए महत्वपूर्ण फैसले ले रहे हैं और हमारी कंपनी को फिर से खड़ा करने के लिए हमें जो काम करना चाहिए, उस पर यही विचार है। ये जरूरी कदम हमारे कारोबार में महत्वपूर्ण संरचनात्मक बदलावों के साथ लंबे समय तक प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए जरूरी हैं।'

777एक्स की डिलीवरी भी आगे बढ़ी

हड़ताल के कारण हुए नुकसान पर बोइंग ने कहा कि नए जहाज 777एक्स की डिलीवरी तारीखों को भी आगे बढ़ा दिया है। पहली डिलिवरी 2025 को होनी थी, मगर अब 2026 में की जाएगी। इसकी साथ ही कंपनी ने साल 2027 में 767 मालवाही का उत्पादन बंद करने की भी योजना बनाई है। उसका कहना है कि अपने सभी ऑर्डर को पूरा करने के बाद उत्पादन बंद किया जाएगा।

त्योहारी सीजन के पहले सप्ताह में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की चांदी, पिछले साल के मुकाबले 26% अधिक हुई बिक्री

ऑनलाइन प्लेटफार्म की बिक्री हर साल बढ़ती ही जा रही है। अभी दिवाली का त्योहार आया भी नहीं है और लोगों ने इन प्लेटफॉर्म से 54,000 करोड़ रुपये से अधिक की खरीदारी कर ली है। यह पिछले साल के मुकाबले 26 फीसदी ज्यादा है।

त्योहारी सीजन के पहले सप्ताह में ऑनलाइन मार्केट प्लेस की चांदी रही। इसने एक ही सप्ताह में 54,500 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री दर्ज की। यह अगले महीने के दौरान अनुमानित कुल बिक्री का लगभग 55 प्रतिशत है।

डेटाम इंटेलिजेंस के आंकड़ों के अनुसार, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने 2023 की इसी अवधि की तुलना में पहले सप्ताह में 26% की वृद्धि देखी है। इस अवधि के दौरान मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, होम और जनरल मर्चेंडाइज की बिक्री में 75% की हिस्सेदारी रही, जबकि टियर 2 और 3 शहरों में स्मार्टफोन और टीवी की बिक्री में 70% से अधिक की हिस्सेदारी रही। फेस्टिव सेल का पहला सप्ताह इसका सबसे जरूरी हिस्सा है। इस समय का ग्राहकों को बेसब्री से इंतजार होता है। वे शुरुआती सप्ताह तक अपनी पिछले कई महीनों की खरीदारी को टाले रहते हैं ताकि फेस्टिव सेल में उन्हें डिस्काउंट और ऑफर्स का फायदा मिल सके।

एक लाख करोड़ की बिक्री का अनुमान

फेस्टिव महीने की शुरुआत 26 सितंबर से शुरू हुई। ठीक इसी समय ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म अमेजन पर ग्रेट इंडियन फेस्टिव और फ्लिपकार्ट पर बिग बिलियन डे सेल लाइव हुई। फेस्टिव महीना 3 नवंबर तक चलेगा और बिक्री 1 लाख करोड़ रुपये होने की उम्मीद की जा रही है।

क्या खरीद रहे हैं लोग

रिपोर्ट के अनुसार, फैशन, ग्रोसरी, ब्यूटी और पर्सनल केयर से जुड़े सामान की बिक्री में 2-4 गुना की वृद्धि देखी गई है। स्मार्ट टेलीविजन, एयर फ्रायर, लगेज, सुरक्षा कैमरे, गद्दे, वाटर प्यूरीफायर, लैपटॉप, एयर कंडीशनर, वॉटर हीटर, वॉशिंग मशीन, घी और सूखे मेवे अन्य श्रेणियां हैं, जिनमें ग्राहकों की ओर से काफी दिलचस्पी देखी गई।

प्रेरक तत्व ये रहे

त्योहारी खरीदारी के मुख्य कारण ऑफर और ईएमआई विकल्प थे, जिसमें टीवी, वाशिंग मशीन, लैपटॉप और रेफ्रिजरेटर के 50 प्रतिशत से अधिक खरीदारों ने ईएमआई का विकल्प चुना। खिलौने, किताबें, रसोई की आवश्यक वस्तुओं जैसी श्रेणियों में पहले सप्ताह के दौरान ऑर्डरों की संख्या में 2-5 गुना वृद्धि देखी गई। रिपोर्ट में कहा गया है, 'ग्राहकों का ध्यान अब क्विक-कॉमर्स की ओर शिफ्ट हो रहा है, जिसमें कम औसत बिक्री मूल्य की श्रेणियों की खास भूमिका है। इनमें ग्रोसरी, ब्यूटी और पर्सनल केयर से जुड़ी वस्तुएं शामिल हैं।'

लेबनान में यूएन के शांति सैनिकों को निशाना बना रहा इजराइल, अमेरिका-चीन समेत कई देशों ने दी नसीहत

लेबनान, एजेंसी। लेबनान में इजराइल की बढ़ती कार्रवाई की चपेट में नागरिकों समेत UN की पीस फोर्स भी आ रही है। इजराइली गोलीबारी में UN पीस फोर्स के सैनिकों के शिकार होने के बाद अमेरिका समेत 40 देशों ने इजराइल की कार्रवाई की निंदा की है और पीस फोर्स को निशाना न बनाने का अह्वान किया है। अमेरिका के डिफेंस सेक्रेटरी लॉयड ऑस्टिन ने अपने इजराइली समकक्ष योआव गैलेंट के साथ फोन पर बात की और पीस फोर्स (UNIFIL) पर हमलों पर गहरी चिंता जाहिर की है।

पेंटागन के बयान के मुताबिक UNIFIL के साथ साथ अमेरिका ने लेबनान फोर्स पर हुए हमलों पर भी चिंता जाहिर की है और इजराइल से दक्षिण लेबनान में अपनी गतिविधियां बंद करने के लिए कहा है।

इसके अलावा दुनिया भर के कई देशों ने इजराइल पर दबाव बनाने की कोशिश की है। दक्षिण लेबनान में पीस फोर्स पर कार्रवाई के खिलाफ लिखे गए एक पत्र पर 40 देशों ने हस्ताक्षर किए। जिनमें फ्रांस, तुर्की, इंडोनेशिया, आयरलैंड, चीन और UK शामिल हैं। इन सभी देशों के सैनिक UNIFIL फोर्स में हैं। इजराइल को भेजे गए पत्र में दक्षिणी लेबनान में शांति सेना और उनके ठिकानों पर इजराइली सेना के हमलों की कड़ी निंदा की गई है।

लेबनान बॉर्डर पर पीस फोर्स

UN के बयान में कहा गया है कि दक्षिण लेबनान में इजराइली सैनिकों ने UNIFIL के तीन ठिकानों पर फायरिंग की है। लेबनान में तैनात UNIFIL की फोर्स में 50 देशों के लगभग 10 हजार सैनिक लेबनान सीमा पर तैनात हैं, इन सैनिकों में भारत के भी सैनिक शामिल हैं।

इस फोर्स की तैनाती 2006 की इजराइल हिजबुल्लाह की जंग के बाद UN की ओर से खीची गई ब्लू लाइन पर की गई थी। जिस में शर्त रखी गई थी कि हिजबुल्लाह और इजराइल किसी के भी सैनिक इस लाइन पर नहीं आएंगे और यहां भविष्य के तनाव को कम करने के लिए पीस फोर्स तैनात रहेगी।

अमेरिकी छात्रा के लिए भगवान बने कतर एयरवेज के सीईओ, मुसीबत में की ऐसी मदद कि अब हो रही हर ओर तारीफ

शिकागो, एजेंसी। कभी-कभी जब आप मुसीबत में फंसे हों और कोई ऐसा व्यक्ति आपकी मदद कर दे जिसे आप जानते भी न हों तो वो भगवान से कम नहीं होता। ऐसा ही कुछ अमेरिका की एक छात्रा के साथ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुआ। यहां 20 साल की छात्रा जूलिया जारोस्लावस्की बैंकॉक से यूएस लौटते समय मुसीबतों में फंस गई। दरअसल, जूलिया को भरोसा था कि बैंकॉक से शिकागो लौटते समय आसानी से उसे फ्लाइट मिल जाएगी। लेकिन कतर से दोहा की उड़ान को लेकर बोर्डिंग के आखिर में उसे पता चला कि उड़ान में सीटें नहीं है। जिसके बाद वह परेशानी में पड़ गई। आखिर में वहां उसकी मदद कतर एयरवेज के एक सीईओ ने की।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, शिकागो की 20 वर्षीय छात्रा जूलिया जारोस्लावस्की ने ईमेल के जरिए बताया कि थाईलैंड से अमेरिका लौटने के दौरान दोहा, कतर के लिए उड़ान भरने के बाद, उसे उसी दिन शिकागो के लिए स्टैंडबाय उड़ान भरने की उम्मीद थी। शुरू में जब उन्होंने एयरलाइन कर्मचारियों के साथ बात की तो उन्होंने कहा कि उसे घर जाने के लिए उड़ान भरने में कोई समस्या नहीं आएगी। क्योंकि उस वक्त तक दोहा से शिकागो की उड़ान में बहुत सारी सीटें उपलब्ध थीं। लेकिन आखिर में बोर्डिंग के आखिर में एयरलाइन कर्मियों ने उसे बताया कि उड़ान की सारी सीटें भर चुकी हैं। इसके अलावा, बाकी किसी भी उड़ान में सीटें खाली नहीं हैं। जूलिया ने बताया कि वह बुरी तरह से थक चुकी थी, ये सुनते ही उसके पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई। इतना ही नहीं उसकी आंखों से आंसू निकल आए। जिसके बाद उसने बेहतर कनेक्शन वाली वैकल्पिक उड़ानों की खोज शुरू की लेकिन पाया कि आने वाले दिनों में दोहा से शिकागो की उड़ानें पूरी तरह से बुक थीं।

ऐसे में बुरी तरह से परेशान जूलिया को एक रात एयरपोर्ट पर ही बितानी पड़ी। इसी दौरान भूख लगने पर वह एयरपोर्ट पर एक कॉफी की दुकान में गई। वहां उसने खाने के लिए ऑर्डर दिया। इस दौरान उसके चेहरे को देखने से पता लग रहा था कि वह परेशान है, उसकी आंखे डबडबाई हुईं थी। खाने के दौरान वह एक ऐसे व्यक्ति से एक सीट दूर बैठी जो उसकी ओर मुंह करके ही बैठा था। जूलिया को परेशान देख उसने जूलिया से परेशानी का कारण पूछा।

जूलिया ने कहा कि इस पर मैनें उससे अपनी परेशानी बताई। इस पर उस व्यक्ति ने खुद का परिचय कतर एयरवेज के सीईओ बद्र मोहम्मद अल-मीर के रूप में दिया और उसकी मदद की पेशकश की। उन्होंने कहा कि मैं कतर एयरवेज का सीईओ हूं। आप चाहें तो कतर एयरवेज के बिजनेस लाउंज में आराम कर सकती हैं। इसके साथ ही उन्होंने बिजनेस क्लास में विजिट करने का ऑफर दिया।

लेबनान पर हुए पेजर हमले के बाद सावधान, दुबई और ईरान ने लगाया प्रतिबंध

यरुशलम, एजेंसी। इजराइल का इस समय कई देशों से संघर्ष जारी है। एक तरफ फिलिस्तीन के साथ उसकी एक साल से भी ज्यादा समय से जंग चल रही है, तो वहीं दूसरी ओर ईरान, लेबनान जैसे देश हैं, जिनके साथ ईरान भिड़ा हुआ है। पिछले महीने इजराइल ने लेबनान पर पेजर हमला किया था, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई थी और हजारों लोग घायल हो गए थे। इजराइल के इस पेजर हमले के बाद ईरान ने शनिवार (12 अक्टूबर) को सभी उड़ानों में पेजर और वॉकी-टॉकी पर बैन लगा दिया।

ईरान नागरिक उड़ान संगठन के प्रवक्ता जाफर याजरलो के हवाले से बताया जा रहा है कि फ्लाइट्स के किसी भी केबिन में या गैर-साथी कार्गो में मोबाइल फोन को छोड़कर किसी भी इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन डिवाइस की एंट्री पर रोक लगा दी गई है। यह घटना लेबनान में ईरान से जुड़े हिजबुल्लाह समूह के सदस्यों को निशाना बनाकर किए गए हमले के तीन हफ्ते बाद हुई, जिसमें पेजर और वॉकी-टॉकी का इस्तेमाल किया गया था।

दुबई ने भी लगाया बैन

दुबई की एयरलाइन ने पेजर, वॉकी-टॉकी पर बैन लगा दिया है। इस महीने की शुरुआत में दुबई स्थित एयरलाइन अमिरात ने भी अपनी फ्लाइट्स में पेजर और वॉकी-टॉकी पर बैन लगा दिया था। लेबनान पर इजरायल के हमले में कम से कम 39 लोगों की जान चली गई थी। इस बीच, हमले में लगभग 3,000 लोग घायल हो गए, जिसके लिए ईरान और हिजबुल्लाह ने इजरायल को जिम्मेदार ठहराया, जिसमें लेबनान में तेहरान के राजदूत मोजतबा अमानी भी शामिल थे।

इजराइल ने खाई जवाब की कसम

पिछले कुछ हफ्तों में वेस्ट एशिया में तनाव बढ़ गया है, जिसकी शुरुआत पिछले साल अक्टूबर में हमास आतंकवादी ग्रुप के इजरायल पर हमला करने के बाद हुई थी, जिसके बाद आगे चलकर लेबनान, इराक, सीरिया और यमन समेत ईरान के प्रॉक्सी देशों के साथ संघर्ष हुआ। ईरान ने हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह और हमास नेता की हत्या का बदला लेने के लिए इजरायल पर करीब 200 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इसके बाद इजराइल ने जवाबी कार्रवाई करने की कसम खाई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव : कमला हैरिस का डोनाल्ड ट्रंप को चैलेंज- जारी करो अपनी हेल्थ रिपोर्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव काफी नजदीक है। देश में 5 नवंबर को चुनाव होने हैं। इस चुनाव में कमला हैरिस (डेमोक्रेटिक) और डोनाल्ड ट्रंप (रिपब्लिकन पार्टी) आमने-सामने खड़े हैं। इसी बीच कमला हैरिस ने ट्रंप को एक चैलेंज कर दिया है और कहा है कि अपनी हेल्थ रिपोर्ट जारी करें।

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में पहले राष्ट्रपति बाइडेन एक बार फिर चुनाव में उतरे थे, लेकिन बाइडेन जुलाई में उम्मीदवारी से पीछे हट गए और उन्होंने कमला हैरिस के नाम का उम्मीदवारी के लिए समर्थन किया था। राष्ट्रपति बाइडेन की उम्र 81 साल हैं, जिस समय बाइडेन चुनाव के लिए मैदान में उतरे थे, उस समय टीम ट्रंप ने उनकी उम्र और हेल्थ को लेकर उन पर जमकर निशाना साधा था। राष्ट्रपति बाइडेन की उम्र और हेल्थ को ट्रंप ने मुख्य मुद्दा बनाया था। अब ट्रंप का यहीं दांव कमला हैरिस चल रही हैं। कमला हैरिस (59) ने ट्रंप (78) को उनकी हेल्थ रिपोर्ट जारी करने के लिए चैलेंज किया है। उप राष्ट्रपति कमला हैरिस के डॉक्टर ने शनिवार को उनकी हेल्थ रिपोर्ट जारी की। हैरिस के डॉक्टर ने रिपोर्ट में कहा, उप राष्ट्रपति कमला हैरिस का स्वास्थ्य एक्सीलेंट हैं और वो राष्ट्रपति के रूप में काम करने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से बेहतर हैं।

अमेरिकी सेना के कर्नल और उपराष्ट्रपति के डॉक्टर जोशुआ सीमन्स ने जारी रिपोर्ट में कहा, 59 वर्षीय हैरिस एक स्वस्थ और एक्टिव लाइफस्टाइल अपनाती हैं। टीम हैरिस ने उनकी हेल्थ रिपोर्ट जारी करके चुनाव में एक नई बहस को जन्म दिया है, या फिर कह सकते हैं कि टीम ट्रंप के ही दांव को उन्हीं के खिलाफ चला है। कमला हैरिस की टीम का कहना है कि डोनाल्ड ट्रंप भी अब अपनी हेल्थ रिपोर्ट जारी करें।

ट्रंप ने क्या जवाब दिया?

कमला हैरिस की तरफ से हेल्थ रिपोर्ट के जारी होने के बाद अब ट्रंप ने भी पलटवार किया है। टीम ट्रंप ने एक बयान शेयर करते हुए कहा कि वह "कमांडर इन चीफ" बनने के लिए बिल्कुल सही हैं और उनका स्वास्थ्य बिल्कुल बेहतर हैं। वहीं, दूसरी तरफ ट्रंप की टीम की तरफ से जारी हेल्थ रिपोर्ट में उनके स्वास्थ्य की ज्यादा जानकारी नहीं दी गई। इस रिपोर्ट में ट्रंप की हेल्थ को लेकर वो फाइल शेयर की गई है जो उनकी हत्या के प्रयास के समय उनके स्वास्थ्य की जानकारी देने के लिए डॉ। रोनी जैक्सन ने जारी की थी। अमेरिकी मीडिया को अगस्त में दिए एक इंटरव्यू में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि वो "खुशी से" अपने मेडिकल रिकॉर्ड जारी करेंगे। साथ ही ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने हाल ही में एक मेडिकल एग्जाम दिया था और उसमें उनका "स्कोर" काफी बेहतर था। अमेरिका के इतिहास को अगर देखें तो उस हिसाब से अगर नवंबर में ट्रंप राष्ट्रपति पद के लिए चुने जाते हैं तो वह अपने कार्यकाल के आखिर तक अमेरिकी इतिहास के सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति होंगे।

छोटे पर्दे पर बेपनाह प्यार दर्शाने वाली इन जोड़ियों की आपस में नहीं बनती, कई बार हो चुका है तकरार

कई दर्शक को टीवी की अपनी चहेती जोड़ियों के लिए ही सीरीयल्स देखते हैं। दर्शकों को कई बार ये जानने के लिए भी उत्सुक देखा गया है कि टीवी पर बेपनाह प्यार दिखाने वाली ये जोड़ियां पर्दे के पीछे कैसी हैं। तो आपको बता दें कि पर्दे पर प्यार की मिसाल कायम करने वाली कुछ जोड़ियां तो हकीकत में एक-दूसरे का चेहरा देखना भी पसंद नहीं करती हैं।

टीवी में नजर आने वाली जोड़ियों दर्शकों की पसंदीदा जोड़ियां बन जाती हैं। धारावाहिकों में इन जोड़ियों में दिखने वाला प्यार दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। कई लोग तो इन्हें देखकर इनके जैसा हमसफर मिलने की भी कामना करते हैं। कई दर्शक को टीवी की अपनी चहेती जोड़ियों के लिए ही सीरीयल्स देखते हैं। दर्शकों को कई बार ये जानने के लिए भी उत्सुक देखा गया है कि टीवी पर बेपनाह प्यार दिखाने वाली ये जोड़ियां पर्दे के पीछे कैसी हैं। तो आपको बता दें कि पर्दे पर प्यार की मिसाल कायम करने वाली कुछ जोड़ियां तो हकीकत में एक-दूसरे का चेहरा देखना भी पसंद नहीं करती हैं। सेट पर इनके बीच कई बार अनबन भी हो चुकी हैं। तो लिए जानते हैं टीवी के इन सितारों के बारे में...

रूपाली गांगुली और गौरव खन्ना

अभिनेत्री रूपाली गांगुली और गौरव खन्ना को टीवी सीरियल 'अनुपमा' में खूब पसंद किया जा रहा है। दोनों की जोड़ी लोगों की पसंदीदा जोड़ी बन गई है। पर्दे पर एक-दूसरे का सम्मान करने वाले ये सितारे सेट पर एक दूसरे से बिल्कल भी बात नहीं करते हैं। मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक, रूपाली गांगुली और गौरव खन्ना के बीच सेट पर झगड़ा भी हो चुका है।

हिना खान और करण मेहरा

जानी-मानी अभिनेत्री हिना खान और करण मेहरा की जोड़ी में इस लिस्ट में शामिल है। हिना और करण की जोड़ी सीरीयल ये रिश्ता क्या कहलाता है' है में दिखाई दी थी। सीरियल में एक-दूसरे से इतनी मोहब्बत करने वाले ये अक्षरा और नैतिक सेट पर एक दूसरे से बात भी नहीं करते थे। मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक, दोनों सेट पर झगड़ा भी कर चुके थे।

दीपिका सिंह-अनस रशीद

अभिनेत्री दीपिका सिंह और अनस रशीद की जोड़ी सीरियल 'दीया और बाती हम' में नजर आई थी। शो में संध्या और सूरज बने दोनों सितारों को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। मगर इन दोनों के बीच भी सेट पर झगड़ा हुआ था। रिपोट्र्स के अनुसार, दीपिका ने अनस पर गलत तरीके से छूने का आरोप लगाया था। इसके बाद दोनों की बात बंद हो गई थी।

दिव्यांका त्रिपाठी और करण पटेल

दिव्यांका त्रिपाठी और करण पटेल की जोड़ी टीवी की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक है। दर्शक अब भी दोनों को साथ में देखना चाहते हैं। दिव्यांका और करण की जोड़ी एकता कपूर के शो 'ये है मोहब्बतें' में देखने को मिली थी। दोनों की सेट पर सेट पर एक दूसरे से बिल्कुल बात नहीं करते थे।

नीति टेलर और पार्थ समथान

नीति टेलर और पार्थ समथान 'कैसी ये यारियां' में नजर आए थे। इनकी जोड़ी को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया था। दोनों के बीच में बेहद प्यार देखने को मिला था। मगर इनके बीच भी सेट पर लड़ाई हो गई थी। मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक, इसके चलते पार्थ ने बाद में शो भी छोड़ दिया था।

बाबा सिद्दीकी की हत्या पर सियासतः भाजपा ने किया विपक्ष पर पलटवार, कहा- नहीं होनी चाहिए राजनीति

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में बीती रात एनसीपी के दिग्गज नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या कर दी गई। जिसके बाद से वहां बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहे हैं। बाबा सिद्दीकी की हत्या पर शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि अपराधियों में पुलिस का डर नहीं रह गया है। गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस पूरी तरह से असफल रहे हैं, उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। राज्यपाल को इसमें दखल देना चाहिए और देवेंद्र फडणवीस को उनके पद से हटाना चाहिए। वहीं, विपक्ष के आरोपों पर भाजपा ने भी पलटवार किया है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि राज्य में कानून से कोई नहीं बच सकता। एनडीए सरकार ने 24 घंटे के अंदर ही दो आरोपियों को पकड़ लिया है।

बीती रात मुंबई में एनसीपी नेता की हत्या को दुखद बताते हुए भाजपा नेता ने कहा कि इस पर राजनीति नहीं की जानी चाहिए। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फड़नवीस और अजित पवार की एनडीए सरकार ने 24 घंटे के भीतर दो आरोपियों को पकड़ लिया है। एक आरोपी की तलाश जारी है और उसे भी जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। बाबा सिद्दीकी एक बड़े नेता थे। महाराष्ट्र में कोई भी कानून से बच नहीं सकता। हत्या के कुछ ही मिनटों के भीतर पुलिस हरकत में आ गई। उन्होंने एक विशेष टीम का गठन किया। सीएम एकनाथ शिंदे खुद पूरी जांच की निगरानी कर रहे हैं।

जीशान सिद्दीकी से मिले अजित पवार

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार कूपर अस्पताल पहुंचे और वहां बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी से मुलाकात की। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए अजित पवार ने कहा कि 'वह घटना पर यकीन नहीं कर पा रहे हैं। पुलिस घटना की जांच कर रही है। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है और अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए टीमें बनाई गई हैं और अलग-अलग राज्यों में भी पुलिस की टीम लगाई गई हैं। मुख्यमंत्री, गृह मंत्री और मैं खुद इस मामले में ध्यान दे रहे हैं। यह पता लगाने के लिए जांच जारी है कि हत्या की सुपारी किसने दी, मुझे विश्वास है कि 1-2 दिन में इसका पता चल जाएगा। आज रात 8:30 बजे बड़ा कब्रिस्तान में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। विपक्ष यह कहेगा (सरकार पर आरोप लगाएगा) लेकिन हमारा काम कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। उपमुख्यमंत्री ने यहां का दौरा किया। मैंने उनसे और मुख्यमंत्री से भी बात की है और उन्होंने हमें आश्वासन दिया है कि हमें जल्द ही पता चल जाएगा कि इसके पीछे कौन लोग थे।'

'गृह मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए'

बाबा सिद्दीकी की मौत पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि 'शूटर्स को गिरफ्तार कर लिया गया है और पुलिस द्वारा उनसे पूछताछ की जा रही है, लेकिन आज मुंबई में अपराधी खुले घूम रहे हैं और किसी पर भी हमला कर रहे हैं। अगर सत्ताधारी पार्टी का नेता मारा जाता है तो आम आदमी की सुरक्षा का सवालों के घेरे में है। क्या मुंबई फिर से अपराध का केंद्र बन रहा है? क्या महराष्ट्र यूपी, बिहार की राह पर चल रहा है। गृह मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए, जिस तरह से मुंबई में अपराध बढ़ रहे हैं, तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए।' वहीं, महाराष्ट्र के मंत्री और एनसीपी नेता छगन भुजबल ने कहा कि यह दुखद है। पिछले 10 दिनों में एक तालुका प्रमुख और एनसीपी के एक नेता की हत्या कर दी गई है। पुलिस को धमकियों के बारे में पता था और उन्हें वाई सुरक्षा प्रदान की गई थी। पुलिस सिर्फ सुरक्षा देने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह जांच करने तक भी सीमित नहीं है कि धमकियां कहां से आ रही हैं और ये धमकियां देने वाले कौन हैं। पुलिस को जल्द से जल्द सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। इसमें कोई राजनीतिक एंगल नहीं है, मेरे पास है इस बारे में कोई संदेह नहीं है। मुझे नहीं पता कि क्या कोई व्यक्तिगत कारण है, पुलिस को इसकी जांच करनी है।

राजद ने भी बाबा सिद्दीकी हत्याकांड पर उठाए सवाल

NCP नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या पर राजद नेता मनोज झा ने कहा, 'महत्वपूर्ण ये है कि दिन-दहाड़े, सबसे पॉश इलाके में ये हुआ है, उनकी हत्या जिस तरह से हुई है वो वहां की सरकार का प्रमाणपत्र है कि कैसी सरकार है, किसकी सरकार है और किसके भरोसे चल रही है। अगर बाबा सिद्दीकी के साथ हो सकता है तो आम इंसान कितना महफूज है? पूरे परिवार को ईश्वर संबल दें। आसान नहीं होता है इस तरह के शोक को बर्दाश्त कर लेना।'

बीती रात हुई थी हत्या

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की शनिवार रात मुंबई के बांद्रा ईस्ट इलाके में हत्या कर दी गई। उन पर तीन लोगों ने गोलियां चलाईं। वारदात को निर्मल नगर में कोलगेट मैदान के पास बाबा सिद्दीकी के बेटे और विधायक जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर अंजाम दिया गया। घटना के तुरंत बाद दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। घटना के संबंध में निर्मल नगर पुलिस स्टेशन में अपराध पंजीकरण संख्या 589/2024, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1), 109, 125 और 3(5) के साथ ही शस्त्र अधिनियम की धारा 3, 25, 5 और 27 तथा महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 37 और धारा 137 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द ए खाक होंगे बाबा सिद्दीकी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अधिकारियों को बाबा सिद्दीकी को पूरे राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द ए खाक करने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है, क्योंकि उन्होंने 2004-2008 के दौरान महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और म्हाडा के अध्यक्ष के रूप में काम किया था।

लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था

कांग्रेस के पूर्व नेता सिद्दीकी (66) को लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी मौत हो गई। बाबा सिद्दीकी ने विधानसभा में तीन बार बांद्रा (पश्चिम) सीट का प्रतिनिधित्व किया था। मुंबई के एक प्रमुख मुस्लिम नेता सिद्दीकी को कई बॉलीवुड सितारों के करीबी के रूप में भी जाना जाता था।

आरोपियों की पहचान हुई

मुंबई पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली है। इनकी पहचान करनैल सिंह, धर्मराज और शिवकुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने करनैल सिंह और धर्मराज को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि शिवकुमार की तलाश जारी है। पुलिस वारदात के पीछे के मास्टरमाइंड को भी तलाश रही है। अब तक की जांच में यह सुपारी देकर हत्या करवाने का मामला लग रहा है। इसके अलावा मुंबई पुलिस ने बताया कि शिवकुमार और करनैल उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं और धर्मराज हरियाणा का बताया जा रहा है।

राहा कपूर सबसे पहले देखेंगी मम्मी-पापा की ये फिल्म, आलिया भट्ट ने किया खुलासा

अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों अपनी फिल्म 'जिगरा' को लेकर सुर्खियों में बनी हैं। वहीं, वह यश राज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स 'अल्फा' पर भी काम कर रही हैं। इन सब के बीच अक्सर आलिया को अपनी बेटी राहा के विषय में बात करते हुए देखा जाता है। अभिनेत्री होने के अलावा वह एक मां भी हैं, जिसके नाते उन्हें खुशी और गर्व भी है। हाल ही में आलिया ने एक साक्षात्कार में खुलासा किया कि उनकी बेटी राहा उनकी कौन सी फिल्म सबसे पहले देखेंगी। इस दौरान उन्होंने अपनी कई फिल्मों का भी उल्लेख किया।

हाल ही में 'जिगरा' अभिनेत्री आलिया भट्ट ने आईएमडीबी के साथ बातचीत की। साक्षात्कार के दौरान उनसे पूछा गया कि वह अपनी और रणबीर की कौन सी फिल्म अपनी बेटी को सबसे पहले दिखाना चाहेंगी? अभिनेत्री ने जवाब दिया, मैं, शायद 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर', क्योंकि ईमानदारी से कहूं तो यह सबसे कम उम्र की सबसे मजेदार फिल्म है जिसे बच्चे देख सकते हैं।' अभिनेत्री को लगता है कि इस फिल्म के गाने राहा के लिए ठीक होंगे।

वहीं, रणबीर कपूर की फिल्म के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि वह रणबीर के साथ इसका आनंद लेंगी, शायद 'बर्फी', मुझे लगता है कि यह बहुत ही बचकानी बात है, लेकिन हां 'बर्फी' अच्छी है।

अभिनेत्री से जब उनके करियर को लेकर सवाल पूछे गए, खासकर उनसे पूछा गया कि उन्हें कौन सी परफॉर्मेंस सबसे बड़ा बदलाव लगा? आलिया ने कहा, 'मुझे लगता है कि पहली फिल्म जिसने मुझे अपने व्यक्तित्व में महत्वपूर्ण बदलाव महसूस कराया, वह फिल्म 'हाईवे' थी। शायद ऐसा इसलिए था, 'क्योंकि मैं पहली बार इतने लंबे समय तक घर से दूर सड़क पर थी।' आलिया भट्ट के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह यश राज फिल्म्स की 'अल्फा' में और संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' में नजर आएंगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालयः S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा।
RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्कः 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com